हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 4 अक्टूबर 2026



ANSH TRADING COMPANY
Own Your Energy

adani Solar | WAAREE One with the Sun | SOLARUS POWERING A BRIGHTER FUTURE

अपने घर के लिए सोलर सिस्टम लगवाएं

स्वच्छ ऊर्जा, सुरक्षित भविष्य, खुशहाल परिवार!



मात्र ₹1,65,000 से 3 kW सोलर सिस्टम (पूर्ण इंस्टॉलेशन सहित)

- बिजली बिल में बड़ी बचत
- पर्यावरण के लिए बेहतर
- अपने घर की कीमत बढ़ाएं
- 25-30 वर्ष पैनल वारंटी
- कम मेंटेनेस
- 24x7 स्वच्छ ऊर्जा

अपने शहर में सोलर बिजनेस शुरू करें

कम निवेश, बड़ा व्यापार, स्थायी कमाई !

कुल निवेश ₹ 3,00,000

- ₹ 1,00,000 Interior / Showroom Setup
- ₹ 2,00,000 Solar की सामग्री / Stock

कमाई का अवसर ₹5,00,000 प्रति माह तक

- ONE BLOCK ONE CHANNEL PARTNER
- कंपनी द्वारा पूर्ण सहयोग
- हर महीने स्थिर कमाई
- मार्केटिंग सपोर्ट
- टेक्निकल ट्रेनिंग
- ब्रांडेड प्रोडक्ट्स

हमारे अधिकृत फ्रेंचाइजी / एसोसिएट पार्टनर (जिला एवं स्थान अनुसार)

क्र.	नाम	जिला	स्थान/ब्लॉक
1	AMIT SAO	JASHPUR	JASHPUR
2	ANISH AGRAWAL	SURGUJA	AMBIKAPUR
3	SANJAY YADAV	JASHPUR	BAGICHA
4	MANISH MITTAL	SURGUJA	SURAJPUR
5	RAKESH AGRAWAL	JASHPUR	JASHPUR
6	RUPESH AGRAWAL	JASHPUR	PATHALGAON
7	SANJAY JAIN	SURGUJA	BISHRAMPUR
8	SHIVAM TAYAL	SURGUJA	PRATAPPUR
9	PRINCE SONI	SURGUJA	SURAJPUR
10	HARSH GOYAL	SURAJPUR	BISHRAMPUR
11	SANJAY YADAV	SARGUJA	BAGICHA
12	RAKESH KUMAR DHURVE	KAWARDHA	PANDARIYA
13	SHIVJI YADAV	DURG	BHILAI
14	RAJESH BANCHHOR	DURG	PATAN
15	RISHAB SHARMA	BALODA BAZAR	BALODA BAZAR
16	PUNIT SAHU	BALODA BAZAR	BALODA BAZAR
17	AKSHAY SHRIVASTAVA	DURG	DURG
18	SANDEEP SHARMA	RAIPUR	DUBE COLONY

क्र.	नाम	जिला	स्थान/ब्लॉक
19	DHARMENDRA TANDAN	RAIPUR	ABHANPUR
20	RAVI KUMAR YADAV	RAIPUR	RAIPUR
21	RUPESH VERMA	RAIPUR	AARANG
22	RAVINDRA VASPBARKAR	RAIPUR	DHARSIWA
23	HITESH BANJAARE	RAIPUR	DHARSIWA
24	SWARNIM DALAL	RAIPUR	DDU NAGAR
25	MOHAMMED WAJID AKHTAR	RAIPUR	DHARSIWA
26	ANJALI THAKUR	RAIPUR	RAIPURA
27	ANKIT AGRAWAL	RAIPUR	RAIPUR
28	SANTOSH NAHAK	RAIPUR	RAIPUR
29	SANTOSH SINHA	MAHASAMUND	PITHORA
30	DILKHUSH KUMAR JHA	RAIPUR	SIVANAND NAGAR
31	RAJESH NETAM	RAIPUR	ARANG
32	RAJEEV PANDEY	RAIPUR	SARSIWA
33	HARSHAL MESHRAM	RAIPUR	MOHABABAZAR
34	BHUWAN LAL SAHU	BASTAR	JAGDALPUR
35	CHAMPESHWAR SAHU	RAIPUR	BHAKHARA
36	ANURAG JAIN	RAIPUR	SANKAR NAGAR

सोलर लगवाने हेतु संपर्क करें
+91 91790 61948

फ्रेंचाइजी या एसोसिएट बनने के लिए कॉल करें
+91 92435 06661

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 4 अक्टूबर 2026

त्योहारों की करें तैयारी बचत वाली होगी, हर खरीददारी

शुभम के मार्ट®

शॉपिंग करो खुलके, पैसे बचाओ जमके!



Festive & Corporate Gifts, Gift Voucher Available
91091 99110



भारतीय मिठाईयां & नमकीन (Selected Variant)

UPTO 50% DISCOUNT

मंथली ग्रॉसरी

शुभ आटा 5 Kg ₹189 MRP ₹260	लूज काबुली चना 1 Kg ₹95	लूज तूअर दाल राजभोग 1 Kg ₹133	लूज उड़द दाल छिलका 1 Kg ₹120	लूज देसी चना 1 Kg ₹82	दावत पुलाव बासमती राइस 1 Kg ₹130	लूज HMT पोस्टमैन चावल 1 kg ₹68	आशीर्वाद आटा 5 kg ₹242 MRP ₹260	लूज शुगर SS 1 kg ₹55
टाटा सॉल्ट 1 kg ₹29 MRP ₹32	लूज बेसन 1 kg ₹78	वास्तु गाय का घी 1 kg ₹519 MRP ₹739	कीर्ति सोया ऑयल 1 Ltr ₹153	Dhara मूंगफली ऑयल 1 Ltr ₹199	सफोला गोल्ड, जार 5 Ltr.+ 1Ltr FREE ₹1235	काजू W400 500 gm ₹559 MRP ₹700	बादाम 500 gm ₹620 MRP ₹700	मखाना गोल्ड 100 gm ₹179 MRP ₹199

मंथली डेली नीड्स

ब्रुक बॉन्ड रेड लेबल 1 kg ₹379 MRP ₹540	नेस्कैफे क्लासिक कॉफ़ी (J) 45 Gm ₹199 MRP ₹210	पार्ले जी गोल्ड बिस्कुट 1 kg ₹127 MRP ₹160	ब्रिटानिया गुड डे काजू कुकीज़ 827 gm BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹275	पार्ले प्रीमियम रस्क 1 kg ₹169 MRP ₹240	ब्रिटानिया न्यूट्री चॉइस डाइजेस्टिव बिस्किट 960gm ₹140 MRP ₹220	कुकी बाइट कोकोनट बिस्कुट 1 kg BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹220	ब्रिटानिया बॉर्बन ओरिजिनल 5N*100g (कॉम्बो) 500g BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹140	आकाश गार्लिक मिक्सचर 800 gm BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹290
फ्रूटी मैंगो 1.8 Ltr/ 2 Ltr. ₹80 MRP ₹122	मिरिंडा ऑरेंज कोल्ड ड्रिंक (B) 2.25L BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹100	हल्दीराम भुजिया सेव 200 gm ₹50 MRP ₹60	किसान फ्रेश टोमैटो केचप 1/1.1 kg ₹99 MRP ₹145	मैगी 2 मिनट नूडल्स मसाला 8 पैक 560 gm ₹91 MRP ₹120	सुरेश मसाले मिर्च/हल्दी/ धनिया पाउडर 200 gm MRP ₹102 MRP ₹84 MRP ₹74 BUY 1 GET 1 FREE शुभम मूल्य	सेंसोडाइन फ्रेश जेल टूथपेस्ट 150 gm ₹220 MRP ₹245	डव डीप नरिश न्यूट्रिएंट सीरम बार (5*125g) ₹320 MRP ₹519	पियर्स प्योर एंड जेंटल सोप 125g*5 ₹345 MRP ₹401
VIM लेमन लिक्विड पाउच 2 Ltr ₹299 MRP ₹445	गुड नाइट पावर एक्टिव लिक्विड 45ml*4 (180ml) ₹320 MRP ₹360	लिरिल ऑल डे फ्रेशनेस लाइम सोप 4*125 ₹180 MRP ₹225	डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड 250 ml ₹135 MRP ₹167.34	हार्पिक टॉयलेट क्लीनर 1000 ml*2+ 500ml Free ₹440 MRP ₹490	सोफ्री बॉडीफिट प्रो XL (290 mm) 3 का पैक ₹249 MRP ₹370	सर्फ़ एक्सेल बार वैल्यू पैक 200gm x 4 ₹122 MRP ₹135	टाइड डबल पावर नींबू और चंदन 1 kg ₹95 MRP ₹105	स्नग एंड ड्राई प्रीमियम पैंट्स साइज़ (XL, L, M & S) BUY 1 GET 1 FREE All Variant

*नियम और शर्तें लागू; यह ऑफर स्टॉक रहने तक ही मान्य है। दिखाए गए उत्पाद चित्र केवल सांकेतिक हैं।

जनरल मर्चेंडाइज

ऋषभ स्टील बोतल ₹549 MRP ₹1253

एरिस्टोक्रेट ट्रॉली बैग ₹1799 MRP ₹10000

हैवेल्स इमर्शन वॉटर हीटर ज़ेटा 1000W ₹549 MRP ₹990

सेलो इलेक्ट्रिक केतली 1.5 ltr ₹599 MRP ₹1499





हैंडलूम

SIZE-17/27 वेलग्रीन तकिया MRP ₹1019 ₹399

(1+2) डबल बेडशीट+पिलो कवर MRP ₹799 ₹399

डबल बेड कम्फर्टर MRP ₹599 ₹299

वाटर एब्जॉर्बेंट डोर मैट MRP ₹149 ₹99

रायपुर स्टोर:

संतोषी नगर • पंडरी • पुरानी बस्ती • श्रीनगर • कोटा • सरोना • कमलविहार • देवेन्द्र नगर • चंगोराभाठा • भाठागांव • अश्विनी नगर • बिरगांव • सड्डू- मेन रोड

सराईपाली • जुनवानी- भिलाई • पलारी • राजनांदगांव • भाटापारा • धमतरी • जैजैपुर • अंजोरा • अकलतरा • नवापारा- राजिम • बालोद

• बेमेतरा • पाटन • बेरला • खरियार रोड • शिवरीनारायण • सिमगा • पोटिया रोड - दुर्ग • अभनपुर • कवर्धा • उतई • खैरागढ़

अतिशीघ्र शुभारंभ • जगदलपुर • बलौदाबाज़ार • डोंगरगढ़ • बिलासपुर • अमलिडीह • कटोरा तालाब

कॉर्पोरेट कार्यालय : शुभम टावर, कमल विहार गेट के सामने, डुमरतराई, रायपुर, छत्तीसगढ़

• छत्तीसगढ़ • राजस्थान • गुजरात • ओडिशा • महाराष्ट्र

कस्टमर केयर हेल्पलाइन नंबर : +91 91091 99110

FOLLOW US ON: shubhamkmartofficial | Shubham K Mart | @shubhamkmart2926

नियम एवं शर्तें लागू: सभी ऑफर सूचना के बिना बदलाव के अधीन हैं | ऑफर स्टॉक रहने तक। दिखाये गए उत्पादों के ग्राफिक्स केवल सांकेतिक मात्र है | ऑफर स्थान के अनुसार भिन्न हो सकते हैं | सभी मदभेद केवल रायपुर अदालत के अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं | सभी क्रेडिट, डेबिट एवं यूपीआई से भुगतान स्वीकार किये जाते हैं |

ज्ञानेश का विरोध, जंतर-मंतर पर दूसरे दिन भी हंगामा



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर के पास शनिवार को ऑल इंडिया स्टुडेंट एसोसिएशन (आइसा) और लेफ्ट संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की। करीब 150 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प भी हुई। इससे पहले शुक्रवार को हुए प्रदर्शन के दौरान 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था। प्रदर्शन में एआईएसए राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण शामिल हुए। वे पटेल चौक से जंतर मंतर की ओर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च कर रहे थे।

सिब्बल, योगेंद्र, प्रशांत भूषण सहित कई दिग्गज नेता हुए शामिल

नेहा ने की थी अपील

यह नया प्रदर्शन शुक्रवार को हिरासत में ली गई नेहा बोरा के आह्वान के बाद हुआ। बोरा ने कार्यकर्ताओं से दोपहर 1 बजे जंतर मंतर आने और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ-साथ चुनावी नामावली के एसआईआर को लेकर चिंता जताते हुए प्रदर्शन जारी रखने की अपील की थी।

दिल्ली प्रदर्शन पर 3 एफआईआर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हुए प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने 3 एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले प्रदर्शनकारियों द्वारा निषेधाज्ञा के बावजूद जुटने और प्रदर्शन करने के आरोपों से जुड़े हैं। दो एफआईआर संसद मार्ग थाने में, जबकि एक एफआईआर कनॉट प्लेस थाने में दर्ज की गई है।





एसआईआर का विरोध, सीईसी का मांगा इस्तीफा



काकरोच प्रदर्शन 500 पर एफआईआर

मुंबई पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दो अक्टूबर को शिवाजी पार्क में किए गए विरोध प्रदर्शन के मामले में आयोजकों और 400-500 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

राहुल ने वोट चोरी का आरोप लगाया

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, एसआईआर और वोटर लिस्ट से जुड़े विवादों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। वे देशद्रोही हैं। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था।

यूएई सरकार का खुलासा- इजराइल में प्लेन क्रैश की थी साजिश

जेहादी सोच के चलते हटाया गया था नौकरी से

ओमानी को-पायलट का नाम उजागर

एजेंसी ▶▶| दुबई

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबाई की उड़ान एफजेड1073 में कॉकपिट के भीतर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी ओमानी को-पायलट की पहचान हम्माम अल-हम्मामी के रूप में हुई है। यूएई अटार्नी जनरल ने पुष्टि की है कि यह कोई साधारण आपसी विवाद नहीं, बल्कि एक सोची-समझी 'आतंकवादी वारदात' थी।

संयुक्त अरब अमीरात के अटॉर्नी जनरल (प्रॉसिक्यूटर जनरल) हमाद सैफ अल शम्सी ने शनिवार को आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, प्लेन क्रैश कराने की यह सोची-समझी साजिश के तहत यह हमला हुआ था।

29 साल के को-पायलट हम्माम ने कॉकपिट के भीतर आपातकालीन स्थिति में इस्तेमाल होने वाली क्रैश एक्स (एक तरह की कुल्हाड़ी) और धारदार हथियार से भारतीय कैप्टन स्मित मछार पर अचानक हमला कर दिया था। हमला करने के बाद हम्माम ने विमान के कंट्रोल पैनल को अपने हाथ में लेकर उसे तेजी से नीचे की ओर गिराना शुरू कर दिया, ताकि विमान को इजराइल की सीमा में क्रैश किया जा सके।



फ्लाईदुबई के को-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से किया था वार!

पहले भी 'ओमान एयर' से निकाला जा चुका था आरोपी

हम्माम अल-हम्मामी की बैकग्राउंड की जांच में कई बेहद चौंकाने वाले और चिंताजनक खुलासे हुए हैं। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और 'एबीसी न्यूज' की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हम्माम अल-हम्मामी पहले ओमान की राष्ट्रीय एयरलाइन 'ओमान एयर' में ट्रेनिंग को-पायलट था। 2024 में उसके पास से कट्टरपंथी और जिहादी सामग्री बरामद होने और हिंसक गतिविधियों में संलिप्तता के बाद उसे उड़ान ड्यूटी से हटाकर डेस्क जॉब पर डाल दिया गया था। ओमान एयर छोड़ने के बाद वह करीब 8 महीने पहले ही फ्लाईदुबाई में भर्ती हुआ था। सवाल उठ रहे हैं कि ओमान सरकार की ओर से फ्लैग किए जाने के बावजूद यूएई की एयरलाइन में उसका बैकग्राउंड वेरिफिकेशन सही से क्यों नहीं हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, घटना के कुछ ही घंटों बाद हम्माम के सोशल मीडिया और लिंक्डइन प्रोफाइल पर अल-कायदा नेताओं की तस्वीरें और भड़काऊ कंटेंट पाए गए, जिन्हें बाद में हटा दिया गया।

फ्लाईदुबई की फ्लाइट में क्या हुआ था?

30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव (इजरायल) जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 के कॉकपिट में सह-पायलट और मुख्य पायलट के बीच हिंसक झड़प हुई। सऊदी अरब के ऊपर करीब 33,000 से 34,000 फीट की ऊंचाई पर फलाईदुबई की फ्लाईट करीब दो घंटे का समय बीतने के बाद उड़ रही थी। तभी को-पायलट हमाम अल-हम्मामी ने कैप्टन स्मित मछार पर हमला किया और उन्हें कुल्हाड़ी से मारा। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, मछार कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। पीएम मोदी ने भी स्मित से बात की थी।

होर्मुज में टैंकर पर मिसाइल हमला बचाए गए 5 भारतीय नाविक



नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी भीषण तनाव के बीच ओमान के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक और जहाज हमले का शिकार हुआ है। कुवैत के झंडे वाले इस तेल टैंकर पर मिसाइल से हमला किया गया। हालांकि ओमान में स्थित भारतीय दूतावास की तत्परता से जहाज पर सवार सभी पांच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय मिशन ने इसकी जानकारी दी है। दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर बचाव अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। जहाज पर मौजूद सभी 5 भारतीय क्रू सदस्यों को सुरक्षित तट पर ले जाया गया है। भारतीय दूतावास ने इस त्वरित सहायता और सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का विशेष आभार व्यक्त किया है।

जहाजों पर बढ़ता खतरा

भारतीय मिशन ने घटना के पीछे के कारणों और हमले की परिस्थितियों को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। आपको बता दें कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला, अंदर मौजूद थे भक्त

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका के ओहियो में एक हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला करके तोड़-फोड़ की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने बताया कि ग्रेटर क्लीवलैंड में स्वामीनारायण हिंदू मंदिर वडथलधाम की खिड़कियां टूटने से नुकसान हुआ है।

दो एडवोकेसी ग्रुप्स ने बताया कि यह कथित हमला शुक्रवार दोपहर को हुआ जब पुजारी और कुछ भक्त मंदिर के अंदर थे। वहीं, हमला ऐसे समय में हुआ है जब राज्य में इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी 10 दिनों से भी कम समय में नवरात्रि त्योहार के साथ हिंदू हेरिटेज मंथ मनाने की तैयारी कर रही थी।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने लिखा- यह हेट क्राइम

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुहाग शुक्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'यह अब सच है। ऑनलाइन नफरत एक हिंदू मंदिर पर असल दुनिया के हमले में बदल गई है। वीडियो देखें और अपराधी को पकड़ें।' एचएएफ ने कहा कि यह संभावित हेट क्राइम ऐसे समय में हुआ है जब हिंदू अमेरिकी समुदाय के खिलाफ पहले कभी न देखी गई नफरत और जहर उगला जा रहा है।

ओहायो के श्री स्वामीनारायण मंदिर को बनाया गया निशाना



नेताओं और एजेंसियों से निंदा की अपील

उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने देश के चुने हुए नेताओं और सरकारी एजेंसियों से भी अपील करते हैं कि वे भारतीय और हिंदू अमेरिकी समुदायों के खिलाफ नफरत भरी बातों की सार्वजनिक रूप से और साफ तौर पर निंदा करें।' कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका (कोहना) ने रिचमंड हाइट्स के मेयर किम थॉमस और म्युनिसिपल अधिकारियों से हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा करने और कानून लागू करने वाली एजेंसियों से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। कोहना ने कहा, 'हम मेयर किम थॉमस और रिचमंड हाइट्स से इस तरह की कट्टरता की निंदा करने और पुलिस से अपराधी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की अपील करते हैं।'

पहले भी हुए हैं हमले

कोहना ने अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती दुश्मनी और हिंसा पर बार-बार चिंता जताई है। मंदिर से जुड़ी कई पिछली घटनाओं को डॉक्यूमेंट भी किया है। इसकी कंपाइल की गई टाइमलाइन में अगस्त 2022 में क्वींस, न्यूयॉर्क में श्री तुलसी मंदिर में महात्मा गांधी की मूर्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाओं के साथ दिसंबर 2023 में नेवार्क, कैलिफोर्निया में एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में स्प्रे-पेंट की गई नफरत भरी ग्रैफिटी का भी जिक्र किया गया है।



सुधांशु वाणिज्य समिति... काकोली रसायन, थरूर को विदेश मामलों की कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संसदीय समितियां सांसदों का एक छोटा समूह होती हैं जो संसद के बड़े कार्यों को संभालने, विधेयकों की गहराई से जांच करने और वित्तीय मामलों की निगरानी करने के लिए कार्य करती हैं। संसदीय समितियों के अध्यक्षों की नई सूची में कई बदलाव किए गए हैं। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को वाणिज्य समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि शशि थरूर, चरणजीत सिंह चन्नी और अनुराग ठाकुर सहित कई नेताओं को फिर जिम्मेदारी मिली है। काकोली घोष दस्तीदार और सुधीर गुप्ता ने क्रमशः रसायन एवं उर्वरक तथा रेलवे समितियों में नए अध्यक्ष के रूप में जगह बनाई है।

■ संसदीय समितियों में फेरबदल


सुधांशु त्रिवेदी


शशि थरूर

चन्नी का प्रभार यथावत

वहीं, कांग्रेस के शशि थरूर को विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष फिर नियुक्त किया गया है। कृषि समिति की जिम्मेदारी भी कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी के पास बनी रहेगी।

कई नेताओं को दोबारा जिम्मेदारी

रक्षा और वित्त समितियों की जिम्मेदारी भी नए नेताओं को सौंपी गई है। संसदीय समितियों के अध्यक्षों की नई सूची में कई नेताओं को दोबारा जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कुछ समितियों की कमान नए नेताओं को सौंपी गई है। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को वाणिज्य संबंधी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन की जगह ली है। विभागीय स्थायी समितियां कुल 24 (इनमें से 16 लोकसभा के अधीन और 8 राज्यसभा के अधीन कार्य करती हैं)। प्रत्येक विभागीय समिति में कुल 31 सदस्य होते हैं-21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से। इसके अतिरिक्त 3 प्रमुख वित्तीय समितियां होती हैं-प्राक्कलन समिति, लोक लेखा समिति और सार्वजनिक उपक्रम समिति।

रूडी बने रहेंगे जल संसाधन समिति के अध्यक्ष

कांग्रेस के मुकुल वासनिक शिक्षा, महिला, बाल एवं युवा मामलों की समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। कांग्रेस के सप्तगिरि उलाका को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज समिति का अध्यक्ष फिर नियुक्त किया गया है। भाजपा के राजीव प्रताप रूडी जल संसाधन समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। वहीं, द्रमुक की कनिमोझी को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण समिति का अध्यक्ष दोबारा बनाया गया है। भाजपा के राधा मोहन सिंह को रक्षा समिति की जिम्मेदारी मिली है, जबकि राधा मोहन दास अग्रवाल गृह मामलों की समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। दोनों अलग-अलग समितियों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



● भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाक को 19 रनों से हराया

भारत को 85 मेडल

- 21 गोल्ड
- 27 सिल्वर
- 37 ब्रांच



पुरुष हॉकी टीम ने भी मलेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड पर कब्जा जमाया

भारत का 'गोल्डन पंच'

क्रिकेट में पाक को हराया, हॉकी में मलेशिया को, कुमकुम-प्रणवी-अमन चमकीं

एजेंसी ▶▶| नागोया

एशियन गेम्स 2026 में आज के दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य समेत कुल नौ पदक अपने नाम किए। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। पुरुष हॉकी टीम ने भी मलयेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड पर कब्जा जमाया और लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी। तीरंदाजी ▶▶|शेष पेज 3 पर



कुमकुम ने 48 साल का इंतजार खत्म किया

तीरंदाजी में कुमकुम मोहोद ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल में दक्षिण कोरिया की येजिन ओह को शूट ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

ऐसे रिकार्ड

- 44 साल में पहली बार भारतीय पुरुष-महिला हॉकी टीमों ने एक साथ जीता गोल्ड
- भारत ने 2023 में 28 जीते थे, इस बार भारत के कुल 85 मेडल
- चौथे स्थान पर भारत, ओलंपिक कोटा भी मिला

सेवा संकल्प अभियान का समापन...

वडनगर में शिवराज, शुभेंदु-भूपेंद्र काशी में नितिन, योगी और हिमंता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर से उनकी कर्मभूमि काशी तक निकली 'सेवा संकल्प यात्रा' का 7 अक्टूबर को भव्य समापन होगा। इस अवसर पर काशी में भाजपा बड़े सार्वजनिक आयोजन के जरिए अभियान का समापन करेगी।

विशेष संवाददाता ▶▶| नई दिल्ली

खास बात यह है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन की काशी में यह पहली बड़ी जनसभा होगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। जगतपुर इंटर कॉलेज मैदान में होने वाली इस सभा में करीब 50 हजार लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिन से शुरू हुई यह यात्रा उनके ▶▶|शेष पेज 3 पर



नितिन नबीन



शिवराज सिंह चौहान



शुभेंदु अधिकारी



योगी आदित्यनाथ



हिमंता बिस्वा शर्मा

दोनों दिशाओं से निकलीं 20 टीमें

इस अभियान के तहत वडनगर और वाराणसी से कुल 20 टीमें रवाना की गईं। यात्रा में करीब 500 बाइक यात्री शामिल हैं। वडनगर से काशी पहुंचने वाले यात्रियों का 7 अक्टूबर को नमो घाट पर स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे नमो बुक फेस्टिवल जाएंगे, जहां ▶▶|शेष पेज 3 पर

नितिन के साथ जुटेगा भाजपा नेतृत्व

समापन समारोह में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी को पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद काशी में उनकी पहली बड़ी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी मंच साझा ▶▶|शेष पेज 3 पर

वडनगर में शिवराज, बढ़ते राष्ट्रीय कद का संकेत

सेवा संकल्प अभियान के समापन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी को भाजपा के भीतर उनके बढ़ते राष्ट्रीय महत्व के संदर्भ में देखा जा रहा है। वडनगर जैसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण केंद्र की जिम्मेदारी शिवराज सिंह चौहान को दी गई है। शिवराज सिंह चौहान लंबे समय तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं और अब केंद्र में कृषि तथा ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और गांवों से जुड़े व्यापक राजनीतिक-सामाजिक आधार वाले इन मंत्रालयों ▶▶|शेष पेज 3 पर

सिंगापुर पहुंचे सीएम साय

तलाशेंगे छग में निवेश की वैश्विक संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य में निवेश की नई संभावनाओं को विस्तार देने के उद्देश्य से सिंगापुर पहुंच गए हैं। सिंगापुर पहुंचने पर भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत किया। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रथम सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026 में सहभागिता के लिए छत्तीसगढ़ को नामित किया गया है। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर मुख्यमंत्री राज्य की औद्योगिक क्षमता, विकास की संभावनाओं और निवेश के अवसरों को वैश्विक निवेशकों के सामने रखेंगे। ▶▶|शेष पेज 3 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹111346/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹135990/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹148446/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

*Conditions apply

anand Jewels Pandri, Raipur

बिलासपुर के कई इलाकों में जेसीबी से धड़ल्ले से खुदाई और हाइवा के जरिए मुरुम का परिवहन किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं, अंबिकापुर में मुरुम के लिए पहाड़ तक काटे जाने का मामला सामने आया है। दिन-रात जारी इस कथित उत्खनन और परिवहन ने प्रशासन और खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहाड़ छलनी, जमीन खोदकर बनाया तालाब, मुरुम के लिए बेखौफ खुदाई

लीज नहीं...

बिलासपुर जिले में बेखौफ चल रहा मुरुम का अवैध उत्खनन



विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

बिलासपुर जिले में मुरूम खदान के लिए एक भी लीज जारी नहीं की गई है, इसके बाद भी बेलतरा, तखतपुर, सकरी और कोनी के अधिकांश क्षेत्र में अवैध उत्खनन बेखौफ जारी है। नियम-कायदों को ताक पर रखकर जेसीबी से खुदाई और हाइवा से मुरम का परिवहन किया जा रहा है। दिन-रात चल रहे इस कथित खेल ने प्रशासन और खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मामले की जांच के आदेश भी दे दिए हैं इसके ▶▶|शेष पेज 3 पर

सागौन जंगल में पेड़ काटकर खनन

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत खैरा-डंगनिया के सागौन जंगल में पेड़ काटकर मुरुम खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है ▶▶|शेष पेज 3 पर

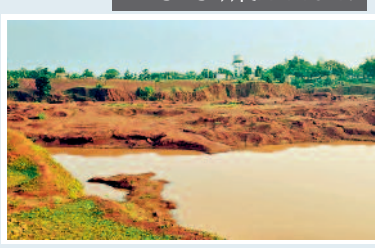

कोनी-लमेर में ट्रैक्टर से परिवहन

कोनी और लमेर क्षेत्र में भी मुरुम खनन के लिए कई ट्रैक्टर दिखाई देते हैं। इसी तरह गनियारी से लगे चोरभट्ठी खुर्द के शीशम जंगल में हरे-भरे पेड़ उखाड़कर मुरुम निकाला जा ▶▶|शेष पेज 3 पर

खजूरी नवागांव की जमकर शिकायत

तखतपुर क्षेत्र के खजुरी नवागांव में बिना किसी वैध लीज के बड़े पैमाने खनन जारी है। ग्रामीणों के अनुसार, खनन माफिया ने जमीन को 40 से 50 फीट तक गहरा कर दिया है, जिससे बच्चों का खेल मैदान बड़े-बड़े गड्ढों और तालाब जैसी खाइयों में बदल गया है। करीब 2 किलोमीटर के दायरे में सरकारी और वन क्षेत्र से लगी जमीन पर लगातार अवैध उत्खनन किया जा रहा है।

बेखौफ माफिया

दिनदहाड़े लुचकी घाट का पहाड़ काटकर निकाल रहे मुरुम



नदीम अंसारी ▶▶| अंबिकापुर

शहर से लगे लुचकी घाट के नीचे अवैध मुरुम उत्खनन का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। माफिया बड़ी-बड़ी मशीनें लगाकर दिनदहाड़े पहाड़ की कटाई कर रहे हैं। मुरुम का अवैध उत्खनन करने के साथ ही उसका परिवहन भी किया जा रहा है। इतना ही नहीं, पहाड़ के नीचे स्थित जमीन के समतलीकरण का काम भी चल रहा है। आशंका जताई जा रही है कि इसके जरिए आने वाले समय में उक्त भूमि पर कब्जा कर उसकी बिक्री करने की तैयारी की जा रही है। शहर से लगे लुचकी ▶▶|शेष पेज 3 पर

की जाएगी कार्रवाई

लुचकी घाट पर अवैध उत्खनन की शिकायत मिलने पर पूर्व में कार्रवाई की गई थी। यदि वहां दोबारा उत्खनन किया जा रहा है, तो टीम भेजकर कार्रवाई कराई जाएगी।

डॉ. मनोज कुमार
प्रभारी जिला खनिज अधिकारी

शासकीय भूमि पर कब्जे का भी खेल, दिन-रात चल रहे पोकलेन और बड़ी मशीनें

जुर्माना भरकर बच निकलते हैं माफिया

लुचकी घाट पर बने बायोडक्ट के नीचे लंबे समय से शासकीय भूमि पर कब्जे की कोशिश किए जाने की बात सामने आ रही है। कुछ लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर झोपड़ी का निर्माण भी कर लिया गया है। अब पहाड़ की कटाई और जमीन के समतलीकरण के जरिए कब्जे की कोशिश तेज किए जाने की आशंका है। गौरतलब है कि खनिज विभाग इस मामले में पहले भी ▶▶|शेष पेज 3 पर

अब सोलर पैनल होगा आपके अपने छत्तीसगढ़ का

NRG SOL POWER

अब सोलर लगाना हुआ और भी आसान

NRG TOPCON 600w

NRG BIPERC 550w

सोलर मॉड्यूल्स निर्माता (मैन्युफैक्चरर) से सीधे आप तक

सर्वश्रेष्ठ क्वालिटी | सुरक्षित वारंटी | सर्वोत्तम दाम

सभी तहसीलों में डीलर नियुक्त करने हैं

सब मिलेंगे, साथ बढ़ेंगे

पार्टनरशिप के लिए सम्पर्क करें

9131148488

आज ही NRG सोलर पैनल लगाएँ

और पीएम सूर्य घर योजना का

₹1,08,000 तक का मुफ्त लाभ पाएँ

आज ही सम्पर्क करें 92329 44434

सेल्समैन और सेल्सवुमन की वैकेंसी है नौकरी के लिए सम्पर्क करें

सोलर एजेंट भी सम्पर्क कर सकते हैं...

ATUL

NRG SOL POWER PVT LTD

Plot No.1-J, Electronic Manufacturing Cluster,
Atal Nagar, Tuta, Sector 22, Naya Raipur, Chhattisgarh-492016

nrgsolpower@gmail.com nrgsol.in MODEL MANUFACTURING INDUSTRY

देश में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। चुनाव आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं। इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके? जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है? इसके लिए पारदर्शिता बेहद जरूरी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर पर हंगामा : हकीकत से ज्यादा फसाना



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुर्श दिख रहा है। मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है।



संस्थाओं पर बहस हो, लेकिन तथ्यों के आधार पर

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग बार-बार यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि एसआईआर मतदाताओं को बेहतर सुविधा देने की व्यवस्था है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य है, कोई भी वैध और योग्य मतदाता छूटे नहीं। मोटे तौर पर एसआईआर का एक ही मकसद है, हर योग्य और वैध मतदाता को सूची में जोड़ना, दिए गए पते पर न रहे मतदाताओं और मृतकों का नाम सूची से हटाना। इसके साथ ही विदेशी और घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना है। एक आरोप यह लग रहा है कि मतदाता सूची तैयार करने में ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर की भूमिका बीएलओ और ईआरओ की तुलना में बढ़ गई है, जिसकी वजह से मतदाता सूची को फाइनल करने के ईआरओ के अधिकार दरकिनार हो गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। ईसीआईनेट सिर्फ तकनीकी मंच है, जिसकी बुनियाद अधिकारियों द्वारा घर-घर से जुटाए आंकड़े हैं। नहीं भूलना चाहिए कि मतदाता सूची में किसी नाम को जोड़ने या उसे हटाने का निर्णय सिर्फ ईआरओ ही ले सकता है और वह भी जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 के तहत, नोटिस और सुनवाई के बाद ही ऐसा कर सकता है। कहना न होगा कि ऐसा ही हो रहा है। लेकिन राजनीति इसे देखने की बजाय अपने हिसाब से घटनाओं और कार्यों की व्याख्या कर रही है।

ज्यादा आपत्ति बिहार-प. बंगाल से

सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है। एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं।

यह है मानक प्रक्रिया

मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग-अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केंद्र का दौरा किया जा सकता है।

दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरा-तफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम दर्ज न होना, नाम की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना पाया गया है।

ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर

अधिकारियों का कहना है कि ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ भी गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब अधिकारी ईसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रहा है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध मतदाता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है। मौजूदा बहस में नागरिकों के लिए कुछ प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं,क्या पुनरीक्षण निर्धारित संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत हुआ? क्या किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया? यदि ऐसा हुआ, तो क्या दावा और आपत्ति की प्रक्रिया के जरिए उसे सुधारा गया?

अपील की प्रक्रिया आसान बनाना महत्वपूर्ण विकल्प



व्यवस्था

प्रदीप सिंह

स्वतंत्र पत्रकार

देश की राजनीति में इस समय मतदाता सूची के शुद्धि के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर बहस के केंद्र में है। सत्तापक्ष और चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष एसआईआर की पूरी कवायद को लोकतंत्र और कानून के शासन के खिलाफ बता रहा है। कुछ विपक्षी दल, नागरिक संगठन, अकादमिक संस्थाएं और बुद्धिजीवी चुनाव आयोग के इस विशेष अभियान को गैर-कानूनी बता रहे हैं। एसआईआर को आम मतदाताओं के खिलाफ एक साजिश बताने वाले इसे देश के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए एक गंभीर प्रशासनिक, कानूनी और राजनीतिक चुनौती बता रहे हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए इसकी कानूनी वैधता को बरकरार रखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर नाम हटने और प्रक्रियात्मक पारदर्शिता की कमी के आरोपों के कारण यह मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। दरअसल बिहार और पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों की जांच, हटाने और पुनः शामिल करने को लेकर विवाद सामने आया। यह आरोप लगा कि एसआईआर के जरिए वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग ऐसे आरोपों को खारिज करता रहा है। फिलहाल इस पूरी प्रक्रिया में हमें यह देखना होगा कि देश में एसआईआर की जरूरत क्या है, और इसका विरोध क्यों हो रहा है? क्या जरूरत और विरोध के बिंदुओं का मिलान करते हुए कोई बीच का रास्ता नहीं निकाला जा सकता है? जिससे मतदाता का अधिकार सुरक्षित रहे और मतदाता सूची भी पाक-साफ हो सके। इस विवाद को केवल सरकार बनाम विपक्ष के राजनीतिक संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका सीधा संबंध चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, मतदाता के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास से है। यह सही है कि लंबे समय तक मतदाता सूची का पुनरीक्षण न करने पर सूची में मृत लोगों के नाम, स्थान बदल चुके मतदाताओं के पुराने पते, दोहरे नाम और अन्य गलतियां समय के साथ जमा रहते हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था। लेकिन समस्या तब पैदा हुई जब कुछ वास्तविक मतदाताओं का नाम भी दस्तावेजी प्रक्रिया या किसी तकनीकी जांच के कारण सूची से बाहर हो गए। बिहार में एसआईआर के प्रारंभिक मसौदे से लगभग 65 लाख नाम बाहर रह गए थे। बाद में दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के जरिए कई मामलों की समीक्षा हुई। हमारे देश में एक सच्चाई यह भी है कि रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग दूसरे राज्यों और देशों में पलायन करते हैं। पूर्वी और उत्तर भारत के लोग दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुंबई और पंजाब जाते हैं। जबकि पंजाब के लोग कनाडा, यूरोप और केरल, तमिलनाडु के लोग खाड़ी देशों में रोजी-रोटी की तलाश में जाते हैं, और जीवन का बड़ा समय वहां गुजार देते हैं। ये परदेशी और प्रवासीसमय-समय पर अपने गांव आते तो है लेकिन जानकारी के अभाव और समय के दबाव में वे अपने पैतृक स्थान पर अपना नाम दर्ज कराने नहीं आ पाते हैं। क्या यह केंद्र सरकार के लिए चुनौती है?एसआईआर चुनाव आयोग द्वारा संचालित प्रक्रिया है, जो संविधान के तहत स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। इसलिए हर प्रशासनिक निर्णय को सीधे केंद्र सरकार का निर्णय मानना उचित नहीं होगा। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर केंद्र सरकार के लिए चुनौती जरूर पैदा हो सकती है। यह विवाद यदि लंबे समय तक जारी रहता है तो विपक्ष इसे सरकार के खिलाफ राजनीतिक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। एसआईआर पर सबसे बड़ी चुनौती जनता के विश्वास की है। चुनाव केवल मतदान का आयोजन नहीं है, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह विश्वास भी जरूरी है कि मतदाता सूची में शामिल हर योग्य नागरिक को मतदान करने का अवसर मिलेगा। यदि बड़ी संख्या में नागरिकों को अपने नाम के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने पड़ें या उन्हें यह स्पष्ट न हो कि उनका नाम क्यों हटाया गया, तो चुनावी प्रक्रिया के प्रति अविश्वास बढ़ सकता है। इस मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के सामने विकल्प की बात करें तो पहला विकल्प पूर्ण पारदर्शिता है। किस आधार पर किसी मतदाता का नाम संदिग्ध माना गया, कितने नाम हटाए गए, कितने नाम वापस जोड़े गए और कितनी अपीलें लंबित हैं- इन आंकड़ों को राज्य और निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक किया जा सकता है। अपील की प्रक्रिया को आसान बनाना भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। किसी नागरिक से नाम हटाए जाने के बाद ऐसी प्रक्रिया की उम्मीद की जानी चाहिए जिसमें वह आसानी से अपनी आपत्ति दर्ज करा सके और समयबद्ध तरीके से निर्णय प्राप्त कर सके। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है।

चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था।

अलग राय दर्ज होना संस्था का टूटना नहीं



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

देश में एसआईआर को लेकर जो बहस चल रही है, उसे सिर्फ "गड़बड़ी हो गई" कहकर नहीं समझा जा सकता। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची की गहरी जांच है। चुनाव आयोग कहता है कि मृत, दोहरे और जगह छोड़ चुके लोगों के नाम हटने चाहिए। विरोधी दल और कई नागरिक समूह कहते हैं कि सही मतदाताओं के नाम भी कट रहे हैं। बीच में यह खबर भी आई कि आयोग के अंदर कुछ फैसलों पर अलग राय दर्ज हुई। कई लोगों ने इसे संस्था के टूटने जैसा पढ़ लिया।

संवैधानिक संस्थाओं में राय का फर्क अपने आप में गड़बड़ी नहीं होता। गड़बड़ी तब होती है, जब फर्क छिपाया जाए, नियम तोड़े जाएं, या आदमी को जवाब देने का मौका न मिले। एसआईआर कोई नया अलग कानून नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 324 मतदाता सूची की तैयारी चुनाव आयोग को सौंपता है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 (3) आयोग को कारण लिखकर विशेष पुनरीक्षण का अधिकार देती है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। शुरुआत बिहार से हुई। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम इलेक्शन कमीशन मामले में अदालत ने कहा कि एसआईआर पुराने कानून से टकराता नहीं है और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव के लक्ष्य को कमजोर नहीं करता। यानी सूची साफ करने की शक्ति गलत नहीं है। पर शक्ति और जमीन पर अमल एक बात नहीं है। बिहार में प्रारूप सूची से करीब 65 लाख नाम बाहर रहे। अंतिम सूची में मतदाता करीब 7.89 करोड़ से घटकर लगभग 7.42 करोड़ रह गए। बाद के चरणों में नाम कटने और नोटिस जाने की शिकायतें बढ़ीं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि दो निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ फैसलों पर लिखित आपत्ति दर्ज की। आयोग ने 26 सितंबर 2026 को कहा कि एसआईआर के आदेश तीनों की सर्वसम्मति से पास हुए थे और विचार के दौरान अलग टिप्पणी सामान्य है। ऐसा फर्क दूसरी संवैधानिक संस्थाओं में भी रहा है। सबसे बड़ा उदाहरण केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य का मामला है, जिसका फैसला 24 अप्रैल 1973 को आया। केरल के एडनीर मठ के प्रमुख स्वामी केशवानंद भारती ने केरल के जमीन सुधार कानून को चुनौती दी थी। असली सवाल जमीन से बड़ा था। क्या संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान का कोई भी हिस्सा, यहां तक कि मौलिक अधिकार भी, बदल सकती है? यह सुनवाई भारत के इतिहास की सबसे बड़ी पीठ ने की। तेरह जजों की राय 7 के मुकाबले 6 से बंट गई।



केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।

बहुमत ने कहा कि संसद संविधान संशोधित कर सकती है, पर उसका मूल ढांचा नहीं मिटा सकती। लोकतंत्र, न्यायिक समीक्षा, संघवाद और अधिकारों का मूल इस ढांचे में आता है। अल्पमत मानता था कि संशोधन की शक्ति इतनी बांधी हुई नहीं है। फैसला एक वोट से टिका। उस समय भी तीखी बहस हुई। आज वही बंटवारा संविधान की सबसे बड़ी सुरक्षा माना जाता है। केशवानंद में फर्क गड़बड़ी नहीं था। वह संविधान को बचाने वाली बहस थी। एक और उदाहरण लें। आपातकाल में मिसा कानून के तहत बंद लोगों ने बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाएं डाली थीं। सवाल था कि क्या अनुच्छेद 21 का जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार उस समय भी अदालत में मांगा जा सकता है। चार जजों के बहुमत ने कहा कि आपातकाल में यह दरवाजा बंद है।

जस्टिस एच. आर. खन्ना अकेले असहमत रहे। उनका कहना था कि जीवन और आजादी संविधान की देन नहीं, इनसे राज्य भी वंचित नहीं कर सकता। बाद में देश ने उनकी असहमति को सही माना और 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उस बहुमत वाले फैसले को गलत ठहराया। रिपोर्टों के मुताबिक करीब 38 लाख अपीलों में से अधिकांश रुकी रहीं, और जो निपटीं उनमें ज्यादातर नाम वापस जुड़े। केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।

पारदर्शिता से ही बढ़ेगी विश्वसनीयता



चुनाव आयोग

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के बरसों में कामकाज के तरीकों को लेकर चुनाव आयोग लगातार विवादों में रहा है। विपक्ष का उस पर अविश्वास इतना गहरा शायद कभी नहीं रहा, जहां उसके तमाम फैसलों पर संदेह जताया गया। ऐसे में आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़ा जो खुलासा हुआ है, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। चुनाव आयोग (ईसीआई) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। कहा गया है कि दो चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के बीच कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद रहे हैं। इनमें मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी शामिल है। विपक्ष इन दिनों लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं।

इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। हालांकि, चुनाव आयुक्तों को हटाना आसान नहीं है। उन्हें संसद में महाभियोग की प्रक्रिया के जरिये ही हटाया जा सकता है। लेकिन चुनाव आयोग की अपनी विश्वसनीयता के लिए जरूरी है कि वह इन सवालों पर अंदरूनी तौर पर गंभीर चर्चा करे और जनता को पारदर्शी तरीके से बताए कि वह किस तरह काम कर रहा है और भविष्य में ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए क्या कदम उठाएगा। आयोग ने फिलहाल इतना ही कहा है कि उसके निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए, लेकिन इससे पूरी स्थिति स्पष्ट नहीं होती। खैर, चुनाव आयोग पर पक्षपात का निष्कर्ष निकालने में जल्दबाजी भी नहीं करनी चाहिए। यह समझना जरूरी है कि भारत जैसे विशाल देश में चुनाव व्यवस्था चलाना बेहद कठिन काम है। देश में करीब एक अरब मतदाता हैं और आयोग के पास सीमित संसाधन हैं। इसलिए हमें सिर्फ आरोप लगाने के बजाय यह सोचना चाहिए कि ऐसी समस्याओं को दूर कैसे किया जा सकता है ताकि बड़ी संख्या में योग्य मतदाताओं के नाम गलती से मतदाता सूची से न हटें। मुख्य बात यह है कि हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में तो विवाद अभी तक शांत नहीं हुआ है। हालांकि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें इसके खिलाफ अपील करके अपना जवाब देने का विकल्प दिया गया है। इस घटना से विपक्ष के आरोपों को बल मिलेगा और एसआईआर को लेकर शंका बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और ऐसी हो कि एक भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। 2025 के एसआईआर को लेकर उठे सवाल, आयोग का पक्ष, विशेषज्ञों की आपत्तियां और सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला, सभी को देखें तो यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता और चुनावी व्यवस्था में नागरिक के अधिकार से जुड़ा बड़ा सवाल है। इस पूरे विवाद से जो अहम बातें सामने आती हैं, वो है- सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने चाहिए और यह साफ होना चाहिए कि आयोग महत्वपूर्ण फैसलों पर सहमति कैसे बनाता है। साफ है, देश में स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे जरूरी आधार चुनाव आयोग है। जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा किसी अन्य सरकारी विभाग की तुलना में अधिक है, क्योंकि वह स्वयं लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रहरी है। उसकी विश्वसनीयता किसी सरकार, किसी राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति से बड़ी है। इसलिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि चुनाव आयोग के भीतर कौन किससे असहमत है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके?



हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नौ महीने पहले अस्पतालों से अटैच मेडिकलों को जारी किया था आदेश

भिलाई, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी, जगदलपुर दवाओं की खरीदी यहां से अनिवार्य नहीं है...। नियम से यह सूचना देने वाला बोर्ड सभी निजी अस्पतालों की दवा दुकानों पर होना चाहिए। ऐसे आदेश जारी भी किए गए। लेकिन प्रदेश की 90 फीसदी दवा दुकानों में बोर्ड गायब हैं। करीब नौ महीने पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने राज्यभर के निजी अस्पतालों से अटैच फार्मेसी को इस बारे में आदेश जारी किया था। समय बीतने के बाद आदेश बेअसर हुआ और बेहतर इलाज की आस में इन हास्पिटलों में आने वाले मरीजों को दवा प्रिंट रेट पर थमाई जाने लगी। टीम हरिभूमि ने एक साथ प्रदेशभर की पड़ताल की। कुछेक अस्पतालों को छोड़कर कहीं बोर्ड नजर नहीं आया।

रायपुर-विकास शर्मा/बिलासपुर-कोमल सिंह/भिलाई-सुवांकर राय/राजनांदगांव-हफीज खान/जगदलपुर-महेंद्र विश्वकर्मा/धमतरी-संतोष सोनकर की विशेष रिपोर्ट

आदेश बेअसर... 90 फीसदी निजी अस्पतालों की फार्मेसी से गायब 'खरीदी अनिवार्य नहीं' का बोर्ड

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दवाओं पर की जाने वाली मुनाफाखोरी पर तीखी टिप्पणी की थी। प्रायवेट अस्पतालों में मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली दवा की कीमत बाजार से अधिक होती है। यही नहीं लगभग सभी हास्पिटल की फार्मेसी की दवा प्रिंट रेट के आधार पर मरीज अथवा उसके परिजनों को थमाई जाती है। ▶▶शेष पेज 3 पर

हरिभूमि लाइव

रायपुर में ही पालन नहीं, ज्यादातर जगह गायब, कुछ जगह नोटिस लगाए



राजधानी के ज्यादातर हास्पिटलों की दवा दुकानों से यह बोर्ड गायब है। शहर के सबसे बड़े अस्पतालों में शामिल एमएमआई, बाल गोपाल, भट्टर हास्पिटल समेत ज्यादातर की दवा दुकानों में बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। वहीं बड़े अस्पतालों की फार्मेसी में इसका पालन किया जा रहा है। रामकृष्ण और संजीवनी हास्पिटल की दवा दुकान में खरीदी अनिवार्य नहीं की नोटिस लगाया गया है। इसके अलावा क्षेत्र के ▶▶शेष पेज 3 पर

बिलासपुर में भी जारी है मनमानी



राजधानी रायपुर के अलावा बिलासपुर के निजी अस्पतालों के मेडिकल में मनमानी जा रही है। इन हास्पिटलों के डाक्टर ऐसी दवा लिखते हैं जो उन्हीं की दवा दुकान में मिलती है और मरीजों को इसके लिए एमआरपी का भुगतान करना पड़ता है। अस्पतालों में बकायदा बोर्ड लगाकर लोगों को जागरूक करने कहा गया था, इसके बावजूद राज्य भर में प्राइवेट अस्पताल अपने मेडिकल दुकानों से वसूली में लगे हुए हैं। जिले में भी बड़े बड़े अस्पतालों में भी मेडिकल स्टोर पर ऐसी सूचना मौजूद नहीं है। शहर के यूनिटी अस्पताल, वेगस हास्पिटल, दुबे नर्सिंग होम, डॉ लॉडीकर अस्पताल, ओम नर्सिंग होम, बीआरटीसी मल्टी स्पेलशलिटी अस्पताल, एलाइट मेडिसिटी के ▶▶शेष पेज 3 पर

भिलाईः नहीं लगी जरूरी सूचना मरीजों को जानकारी से रखा दूर



खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार निजी अस्पतालों के मेडिकल स्टोर पर प्रमुखता से यह संदेश लगाया जाना चाहिए कि यहां से दवा खरीदना अनिवार्य नहीं है। मरीज अपनी सुविधा और बजट के अनुसार अस्पताल के बाहर किसी भी अन्य पंजीकृत मेडिकल स्टोर से दवा खरीद सकते हैं। इसके बावजूद जिले में कई निजी अस्पतालों और उनके परिसरों में संचालित मेडिकल स्टोर के बाहर यह सूचना प्रदर्शित नहीं की जा रही है। इससे मरीजों और उनके परिजनों में यह भ्रम पैदा हो सकता है कि डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाएं अस्पताल के मेडिकल ▶▶शेष पेज 3 पर

जगदलपुरः निजी अस्पतालों में बाहर की दवा पर रोक!



शहर के कॉन्टिनेंटल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं ओम हॉस्पिटल को लेकर इस तरह की शिकायतें सामने आई हैं। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती मरीज के उपचार के दौरान चिकित्सक द्वारा लिखी गई दवाइयां बाहर मेडिकल स्टोर से लेने की अनुमति नहीं दी जाती। अस्पताल परिसर में संचालित मेडिकल से ही दवा उपलब्ध कराई जाती है। कई बार मरीज के परिजन बाहर कम कीमत पर उपलब्ध दवा खरीदना चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया जाता है। मरीजों के परिजनों का कहना है कि उपचार का खर्च पहले ही काफी अधिक ▶▶शेष पेज 3 पर

राजनांदगांवः इन-हाउस मेडिकल स्टोर से दवाई खरीदने मरीज मजबूर



निजी अस्पतालों के मेडिकल स्टोर से दवाई खरीदने मरीजों की मजबूरी दिखाई देती है। क्योंकि डॉक्टर के द्वारा लिखी गई दवाई अन्य दूसरे मेडिकल स्टोर पर आसानी से नहीं मिलती है। ऐसे में निजी अस्पतालों के इन-हाउस मेडिकल स्टोर से ही मरीज और परिजन दवाइयां खरीद रहे हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट आदेश जाए किया है जिसमें कोई भी अस्पताल मरीज को अपनी इन-हाउस फार्मेसी या किसी खास दुकान से दवा खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता, ये कानूनन अवैध है और दवाएं कहां से लेनी हैं इस पर मरीज का अधिकार स्वतंत्र है। लेकिन अपने ही विभाग के आदेश को लेकर स्थानीय ▶▶शेष पेज 3 पर

धमतरीः सूचना बोर्ड के अभाव में अस्पतालों में दवाइयां खरीदने मरीज विवश



शनिवार को हरिभूमि टीम द्वारा की गई पड़ताल में शहर के गुप्ता मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, सिविल लाइन स्थित एक शिवनंदा अस्पताल, रायपुर रोड के मित्तल हास्पिटल और साहू अस्पताल सहित अधिकांश निजी अस्पतालों में संचालित मेडिकल में ग्राहकों को दवाइयां खरीदने की स्वतंत्रता देने संबंधी किसी तरह का सूचना बोर्ड नहीं पाया। अस्पतालों द्वारा शासन के आदेश को दरकिनार कर मरीजों को अभी भी अंधेरे में रख अपने ही मेडिकल से दवाइयां खरीदने मजबूर किया जा रहा है। वहीं एक बड़े अस्पताल में जरूर मेडिकल स्टोर्स में आदेश बोर्ड में लिखा ▶▶शेष पेज 3 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

दिन में उमस परेशान करेगी, हवा की दिशा बदलने पर ठंड बढ़ेगी

देर से आया मानसून, जल्दी चला गया, रायपुर-बस्तर से भी विदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देर से दस्तक देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार जल्दी छत्तीसगढ़ छोड़ रहा है। शनिवार को इसके बस्तर और रायपुर छोड़ने की अधिकृत तौर पर पुष्टि हो गई है। अगले दो से तीन दिन में इसके बिलासपुर और सरगुजा संभाग छोड़ने के आसार हैं। दस साल में दूसरी बार अक्टबूर के पहले सप्ताह में मानसून की राज्य से विदाई हो रही है। अभी दिन में उमस परेशान करेगी। हवा की दिशा बदलने के बाद ठंड बढ़नी शुरू होगी।

मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को मानसून की रायपुर से वापसी की घोषणा कर दी। राज्य में बारिश पिछले आठ दिन से बंद है जिसे ध्यान में रखते हुए इसकी विदाई का माहौल काफी समय से बन रहा था। बरसात रुकने के वजह से पिछले तीन-चार दिनों से गर्मी अपना खासा असर दिखा रही है। रात की तुलना में दिन में नमी का प्रभाव ज्यादा होने के कारण चिपचिपाहट वाली गर्मी हलाकान किए हुए है। राज्य का अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री तक पहुंच चुका है। रात में मौसम सामान्य स्थिति में हैं मगर आने वाले दिनों में हवा की दिशा में बदलाव और शुष्कता ▶▶शेष पेज 3 पर

खास खबर

कब आया और कब गया मानसून

वर्ष	आगमन जगदलपुर (जून)	विदाई सरगुजा (अक्टूबर)
2015	13	18
2016	18	15
2017	16	17
2018	22	15
2019	21	10
2020	11	15
2021	10	13
2022	16	16
2023	23	09
2024	08	12
2025	16	08
2026	21	3

अक्टूबर रायपुर छोड़ चुका

पिछले दस साल में दूसरी बार अक्टूबर के पहले सप्ताह में छत्तीसगढ़ छोड़ेगा

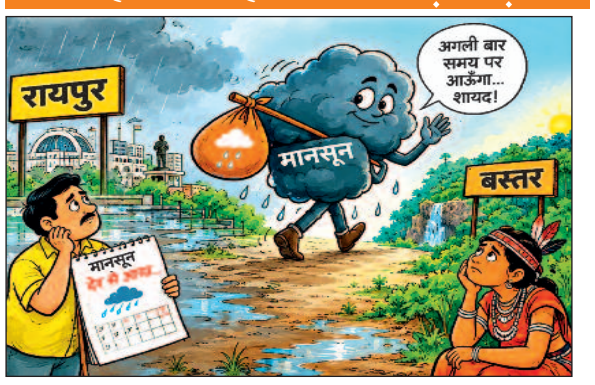

माहांत तक 20 डिग्री से नीचे उतरेगा पारा

अक्टूबर के अंत तक न्यूनतम यानी रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे होने की उम्मीद है। अभी यानी माह के शुरुआती दिनों में न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। शुरुआती दिनों में वातावरण में मौजूद आर्द्रता की वजह से अभी रात का मौसम भी असहजता लिए रहेगा। समय बीतने के साथ मौसम में हवा की दिशा में बदलाव होगा तो उमस वाली बेचैनी से थोड़ी राहत मिलेगी।

खबर संक्षेप

महाराष्ट्र में भूकंप के हल्के झटके

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में शनिवार

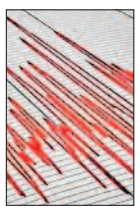

सुबह 3.3 तीव्रता के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप सुबह करीब सात बजकर 46 मिनट पर आया। इसका केंद्र औंढा नागनाथ तहसील के गढ़ाला क्षेत्र में जमीन से सात किलोमीटर की गहराई में था।

इंफ्लुएंसर संधू की गोली मारकर हत्या

अमृतसर। पंजाबी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट मैड संधू की शनिवार को यहां मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शाम करीब छह बजे लोहड़का रोड पर हुई। मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने मैड संधू पर गोली चलाई और मौके से फरार हो गए। संधू का असली नाम मधुसूदन था। संधू को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

नायरा का पेट्रोल पांच डीजल 3 रुपए महंगा

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी



निजी ईंधन खुदरा विक्रेता नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के दामों में पांच रुपए प्रति लीटर और डीजल में तीन रुपए प्रति लीटर की तत्काल प्रभाव से बढ़ोतरी की है।

बस का ब्रेक फेल, चार महिलाओं की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में शनिवार को कथित तौर पर ब्रेक फेल होने के बाद एक निजी बस के पलट जाने से चार महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। जिले के केसारम गांव के लोगों ने चिंताकुंटा में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बस किराये पर ली थी। उन्होंने बताया कि हादसे के समय बस में करीब 40 लोग सवार थे। अधिकारी ने कहा कि हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई।

क्षतिग्रस्त चेकडेम का फिर से कराना होगा निर्माण अन्यथा होगी रिकवरी



पहली बारिश भी नहीं झेल पाया लाखों की लागत से बना चेकडेम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बिकापुर

खलरामपुर जिले के शंकरगढ़ क्षेत्र में बनाया गया चेकडेम महज छह महीने में ही टूटकर धराशाही हो गया। इस चेक डैम का निर्माण 20 लाख रुपए की लागत से कराया गया था लेकिन निर्माण के दौरान बरती गई लापरवाही और गुणवत्ताहीन सामग्री के कारण चेकडेम पहली बारिश भी नहीं झेल पाया और टुकड़ों में टूटकर अलग हो गया। चेकडेम के टूटने के बाद ग्रामीणों में रोष का माहौल है और ग्रामीणों ने मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इधर जिला प्रशासन ने भी मामला सामने आने के बाद जांच और कार्रवाई के निर्देश दे दिए है और जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही जा रही है। बता दें कि बलरामपुर जिले के शंकरगढ़

विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलफिली में शासन द्वारा गर्मी के मौसम में बहते पानी को रोकने और जल संरक्षण के उद्देश्य से चेक डेम के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। इस चेकडेम के बनने से जल संग्रहण होता और आस पास के लोगों को सुविधाएं मिलती। इस चेकडेम के निर्माण हेतु शासन से द्वारा 20 लाख रुपए की राशि जारी की गई थी। शासन के नरेगा के तहत पंचायत द्वारा इस चेकडेम का निर्माण कराया गया। स्वीकृत रुपए की लागत से बना चेकडेम पहली बारिश भी नहीं झेल पाया।

ग्रामीणों में रोष कार्रवाई की मांग

हरिभूमि की खबर का असर, जिपं सीईओ के निर्देश पर चार सदस्यीय टीम ने की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ अंतर्गत सिलफिली चेकडेम के 6 महीने में ही बह जाने की खबर का असर हुआ है। खबर प्रकाशन के बाद मामले में जिपं सीईओ के निर्देश पर जांच कराई गई और जांच में लापरवाही सामने आई है। जांच के बाद अब आने वाले समय में पंचायत को फिर से चेक डेम का निर्माण कराना होगा। चेक डेम का निर्माण नहीं कराने की स्थिति में ग्राम पंचायत से राशि की वसूली की जाएगी। बता दें कि बलरामपुर ▶▶शेष पेज 3 पर

हरिभूमि फॉलोअप

दीवार हुई क्षतिग्रस्त

जांच में सरपंच सचिव की ओर से अपने बयान में दावा किया गया कि उन्होंने दिए गये निर्देश के तहत सुधार कर मानक के अनुरूप निर्माण कराया। इस दौरान सामग्री और मजदूरी भुगतान मिलाकर कुल 13 लाख 18 हजार 872 रूपए खर्च किया गया। जांच के दौरान कहा गया कि बारिश अधिक होने के कारण चेकडेम का एवटमेंट विंग वाल मिट्टी के कटाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया और अब पानी का स्तर कम होने और फसल कटने के बाद फिर से निर्माण कराने की बात कही जा रही है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिले कुसमी शंकरगढ़ क्षेत्र में तो नियमित रूप से अधिक बारिश होती है और मिट्टी कटाव की सम्भावना भी रहती है। ऐसे में सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर चेकडेम का निर्माण क्यों नहीं कराया गया।

की जाएगी कार्रवाई

चेकडेम निर्माण के मामले में जांच के लिए टीम का गठन किया गया था। जांच टीम का प्रतिवेदन आ गया है। मिट्टी कटाव को चेकडेम क्षतिग्रस्त होने का कारण बताया गया है। चेकडेम का फिर से निर्माण कराना होगा अन्यथा राशि की रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी।

-आशुतोष चतुर्वेदी, सीईओ जिपं

हरिभूमि और आईएनएच का जिला संवाद सारंगढ़ में आज

विकास कार्यों व भावी प्रगति की संभावनाओं पर प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी करेंगे चर्चा



डॉ. हिमांशु द्विवेदी



टंकराम वर्मा



गजेन्द्र यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष पूर्ण होने पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन 4 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से शुक्ला मैरिज पैलेस बरमकेला रोड सारंगढ़ में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी जिले में किए ▶▶शेष पेज 3 पर

कलेक्टर व एसपी समेत कई हस्तियां होंगी शामिल

कार्यक्रम में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू व एसपी सुनील शर्मा समेत कई हस्तियां शामिल होंगे। इनमें जिलाध्यक्ष कैट रतन शर्मा, प्रधान हास्पिटल दानसरा के डा. आनंद प्रधान, राइस मिल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के जिलाध्यक्ष संगीत सिंह ठाकुर और सेवा भारती के अध्यक्ष समाजसेवी सतीश यादव सहित जिले की कई हस्तियां शामिल हैं।

स्मित से मिले से दुबई के शहजादे

मच्छार के 'साहस' को किया सलाम

एजेंसी ▶▶ दुबई



दुबई के शहजादे हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मक्तूम ने भारतीय पायलट स्मित मच्छार के 'साहस' की शनिवार को प्रशंसा की, जिन्होंने उड़ान के दौरान अपने सह-पायलट के हमले के बाद विमान को दुर्घटनाग्रस्त कराने के प्रयास को नाकाम कर दिया था। हमदान ने अस्पताल में मच्छार से मुलाकात की और इसकी तस्वीरें 'एक्स' पर साझा कीं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री हमदान ने कहा कि फ्लाईदुबई के पायलट ने साहस, जिम्मेदारी और मानव जीवन के प्रति संवेदनशीलता की सर्वोच्च मिसाल पेश की।

इलाज जारी, सेहत में सुधार: यूएई में भारतीय दूतावास ने इससे पूर्व कहा था कि मच्छार की हालत में सुधार हो रहा है और उनका इलाज जारी है। दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कैप्टन स्मित का बेहतरीन इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। हम उनके परिवार और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हरसंभव सहयोग दे रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शाह-सीएम यादव ने की 'श्वेत क्रांति 2.0' की शुरुआत

35000 गोपालकों को 101 करोड़ का गिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत के डेयरी सहकारी क्षेत्र को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'श्वेत क्रांति 2.0' की शुरुआत की। इसे महिला किसानों को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से एक व्यापक पहल माना जा रहा है। भोपाल में आयोजित गोपालक सम्मेलन में शाह ने कई सौगातें दीं। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आजादी के बाद से कृषि व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सहकारिता से जुड़े लोग अलग सहकारिता ▶▶शेष पेज 3 पर



दुनिया का सबसे अधिक दूध उत्पादक देश

सहकारिता मंत्री शाह ने कहा, भारत आज दुनिया में सबसे अधिक दूध उत्पादन वाला देश है। देश के पांच प्रमुख दूध उत्पादक राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में भाजपा की सरकारें हैं। कांग्रेस ने अपने शासन में पशुपालकों के कल्याण के लिए क्या किया, इसका जवाब उसे देना चाहिए। हमारी सरकारों का ध्यान पशुपालकों की आय बढ़ाने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने पर है।

अब तीन साल में ही मिलेगा न्याय

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था कभी 'तारीख पर तारीख' के लिए जानी जाती थी, लेकिन नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय तक तीन साल में न्याय दिलाने का पूरा काम हो जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बीएनएस के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे आधुनिक न्याय प्रणालियों में शामिल होगी।



स्पेशलः मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर



मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।





कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।

क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।

वॉर्म्थ थेरेपीः गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।





एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है।*



न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

{ मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम }

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।





अच्छे खाने से मिले खुशीः भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉगः जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशनः आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्सः हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं।*



{ गजल / कृष्ण बिहारी }

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्गम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।

{ व्यंग्य / महेश कुमार केशरी }



एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं।*

{ लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया }

अनुभवी



कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की।*

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र



टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।'*

पत्रिकाः बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए, प्रकाशन स्थलः शालीमार बाग, नई दिल्ली

जैकेट के शेष

भारत का ....

में कुमकुम मोहोद ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत को पहली बार स्वर्ण दिलाकर 48 साल का इंतजार खत्म किया, जबकि गोल्फ में प्रणवी शरत उर्स ने महिला व्यक्तिगत स्पर्धा का भारत का पहला गोल्ड जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने भी स्वर्ण अपने नाम किया। वहीं, महिला गोल्फ टीम ने रजत, अंतिम पंघाल ने कुश्ती में रजत और दीपक पूनिया तथा नीरज चौहान ने कांस्य पदक जीते।

प्रणवी उर्स ने गोल्फ में रचा इतिहास : महिला व्यक्तिगत गोल्फ में प्रणवी शरत उर्स ने भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। चार राउंड के बाद प्रणवी का कुल स्कोर 15-अंडर-पार यानी -15 रहा। उन्होंने सिंगापुर की शैनन टैन और चीन की रुओनिंग यिन को एक शॉट से पीछे छोड़कर गोल्ड जीता। फाइनल राउंड में तीसरे होल पर ट्रिपल बोगी के कारण प्रणवी मुश्किल में आ गई थीं, लेकिन उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी की। छठे, 10वें और 13वें होल पर बर्डी लगाकर उन्होंने मुकाबले में वापसी की।

सहरावत ने कुश्ती में जीता गोल्ड : कुश्ती में भारत को अमन सहरावत ने एक और स्वर्ण पदक दिलाया। पुरुषों के 57 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में अमन ने उत्तर कोरिया के चॉन्ग सॉन्ग हान को 11-7 से हराया। यह एशियन गेम्स 2026 में कुश्ती में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड जीता था।

वडनगर में शिवराज, शुभेंदु-भूपेंद्र ....

सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' का प्रमुख हिस्सा है। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस लिहाज से 7 अक्टूबर 2026 को उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भाजपा ने इस अवसर को 'जन्मभूमि से कर्मभूमि' तक की यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया है। यात्रा की शुरुआत 17 सितंबर को एक साथ वडनगर और वाराणसी से हुई थी। वडनगर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यात्रा को रवाना किया था, जबकि वाराणसी से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवा संकल्प बाइक यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। दोनों दिशाओं में निकली यात्राओं का उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों से जुड़े सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संदेश को विभिन्न राज्यों और गांवों तक पहुंचाना था।

दोनों दिशाओं से ....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी 450 से अधिक पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके बाद क्रूज के जरिए ललिता घाट पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे और फिर जगतपुर की जनसभा में शामिल होंगे।

नितिन नवीन के ....

करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। पार्टी ने सभा में लगभग 50 हजार लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। वहीं अभियान के दूसरे प्रमुख केंद्र वडनगर में भी समापन कार्यक्रम आयोजित होगा। इस तरह 7 अक्टूबर को वडनगर और काशी, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान और कर्मभूमि, दोनों जगह भाजपा के बड़े आयोजन होंगे।

वडनगर में शिवराज, बढ़ते ....

के कारण उनका संगठनात्मक और राजनीतिक दायरा मध्य प्रदेश से आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देता है। खास बात यह भी है कि वडनगर के कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रमुख नेता शुभेंदु अधिकारी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहेंगे। इस तरह भाजपा ने वडनगर के आयोजन में संगठन, केंद्र और राज्यों के प्रमुख चेहरों का संयोजन किया है।

तलाशेंगे छग में ....

इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026 के दौरान मुख्यमंत्री साय सिंगापुर के प्रमुख निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ सीईओ राउंडटेबल में शामिल होंगे। यहां छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, कारोबारी साझेदारी और रोजगारपरक उद्योगों के विस्तार पर चर्चा होगी। फोरम का उद्देश्य भारत और सिंगापुर के बीच व्यापार, निवेश तथा कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार, उद्योग और निवेश जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाना है।

एमएसएमई से फार्मास्युटिकल्स तक अवसर : सिंगापुर दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ की ओर से एमएसएमई, स्टार्टअप, रोजगारपरक उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, आईटी-आईटीईएस, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) और फार्मास्युटिकल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को प्रमुखता से रखा जाएगा। इसके अलावा कौशल विकास, वन्यजीव संरक्षण, उद्यानिकी और हरित विकास के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी संवाद होगा।

छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता और निवेश के अवसर गिनाएंगे : सिंगापुर यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता और निवेश अवसरों को अंतरराष्ट्रीय कारोबारी समुदाय तक पहुंचाएगा। सरकार को इस संवाद से विदेशी निवेश, तकनीकी सहयोग और नए कारोबारी साझेदारियों की संभावनाएं बढ़ने की उम्मीद है। इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम के जरिए छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेश समुदाय के बीच अपनी पहचान मजबूत करने और राज्य को निवेश के नए केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा।

नई औद्योगिक नीति और संसाधनों को बनाएंगे आधार : मुख्यमंत्री साय राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए नई औद्योगिक नीति, प्राकृतिक संसाधनों, अधोसंरचना और कुशल मानव संसाधन को प्रमुख आधार के रूप में प्रस्तुत करेंगे। सरकार का जोर इन संसाधनों और उभरते क्षेत्रों की संभावनाओं के जरिए राज्य में निवेश बढ़ाने तथा रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर है।

पहाड़ छलनी, जमीन ....

लिए एक समिति का गठन किया गया है। इसके बावजूद खोदाई नहीं रुक रही है। जगह जगह तालाब बन गए हैं। इनमें कभी भी हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इन गतिविधियों पर रोक नहीं लगी तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

सागौन जंगल में ....

कि जंगल में रात के समय जेसीबी और पोकलेन मशीनों से खुदाई की जाती है।

कोनी-लमेर में ....

रहा है। बताया जा रहा है कि मशीनें जंगल के भीतर पहुंचती हैं और रातभर खोदाई चलती है।सुबह होने से पहले जेसीबी और पोकलेन को दूसरी जगह छिपा दिया जाता है। तखतपुर विकासखंड के ग्राम डोमनपुर से लगे ग्राम सफरीभाटा मे लगभग 6-7 एकड़ की जमीन पर पिछले तीन साल से मुरुम की धड़ल्ले से अवैध खोदाई चल रही है ग्रामीणों का कहना है कि इसकी शिकायत भी की गई और प्रशासन ने थोड़ी कार्रवाई भी की, इसके बावजूद अवैध रुप से चल रही खोदाई आज भी जारी है। 15 से 20 एकड़ की सरकारी जमीन को खोदकर छोड़ दिया गया है जो अब तालाब की शक्ल में दिखाई देता है।

दिनदहाड़े लुचकी घाट ....

घाट के नीचे लंबे समय से अवैध उत्खनन की जानकारी सामने आती रही है। यहां माफिया पोकलेन और जेसीबी जैसी बड़ी मशीनें लगाकर पहाड़ को काट रहे हैं। उनके हौसले इस कदर बुलंद हैं कि दिनदहाड़े उत्खनन का काम किया जा रहा है। पहाड़ को बड़े पैमाने पर काटकर मुरुम निकाली जा रही है। इसके बाद हाइवा और अन्य वाहनों में मुरुम लोड कर उसका परिवहन और बिक्री की जा रही है। इस कारोबार में शहर के कुछ प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आने की बात कही जा रही है। अवैध उत्खनन के लिए बाकायदा कर्मचारियों को तैनात किए जाने की भी जानकारी है। ये कर्मचारी पहाड़ के नीचे बैठकर उत्खनन की निगरानी करते हैं। इसके अलावा, माफिया ने आसपास के कुछ ग्रामीणों को भी पैसों का लालच देकर अपने साथ मिला लिया है।

इस पूरे मामले में अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार, यह गतिविधि केवल अवैध उत्खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे शासकीय भूमि पर कब्जे की कोशिश भी जुड़ी हुई है। पहाड़ काटकर मुरुम निकालने के साथ ही जमीन का समतलीकरण भी नियमित रूप से किया जा रहा है। इससे आशंका है कि जमीन को समतल करने के बाद वहां प्लाटिंग कर उसे बेचने का प्रयास किया जा सकता है।

जुर्माना भरकर बच ...

कार्रवाई कर चुका है। पूर्व में हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद उत्खनन और परिवहन में लगे वाहनों को जब्त किया गया था। हालांकि, आरोप है कि माफिया जुर्माना भरकर कार्रवाई से बच निकलते हैं और कुछ समय बाद फिर से अवैध उत्खनन तथा कब्जे की गतिविधियां शुरू हो जाती हैं।

पेज एक के शेष

आदेश बेअसर... 90 फीसदी...

इन्हीं दवा दुकानों से खरीदी करना मरीजों और उनके अटेंडरों की मजबूरी है। हालांकि राजधानी समेत प्रदेश के 20 प्रतिशत बड़े अस्पतालों में इस नियम का पालन हो रहा है। मगर 80 फीसदी छोटे और मध्यम दर्जे के अस्पताल ज्यादा मुनाफा के चक्कर में आदेश का माखौल उड़ा रहे हैं। निजी अस्पतालों की दवा दुकानों में दवा वापसी के नियम और टाइमिंग के बोर्ड तो लगे हुए है मगर खरीदी अनिवार्य नहीं का नोटिस बोर्ड गायब कर दिया गया है। इस आदेश को नौ माह पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन के मुख्यालय से तमाम औषधि निरीक्षकों को जारी कर दुकानों में इसका पालन कराने कहा गया था।

रायपुर में ही पालन...

परअन्य अस्पतालों में इस नियम का पालन होता नजर नहीं आया। एफडीए के स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि समय-समय पर इसकी जानकारी ली जाती है। आने वाले दिनों में इसे लेकर नोटिस भी जारी किया जाएगा। दूसरी ओर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से तमाम निजी नर्सिंग होम के लिए ओपीडी के साथ आईपीडी में भर्ती होने वाले मरीजों को भी दवा से संबंधित प्रिस्क्रिप्शन पर्ची देना अनिवार्य है किया गया था।

बिलासपुर में भी जारी है ...

मेडिकल स्टोर में बोर्ड ही गायब है। एफडीए के स्थानीय अधिकारी का तर्क है कि हर महीनें ड्रग इंस्पेक्टर की विजिट मेडिकल स्टोरों में हो रही है, जहां ऐसा नहीं लिखा पाया जाता है उसे तत्काल बोर्ड लगाने के लिए कहा जाता है। जिले में कई निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोर में बोर्ड लगाया गया है। जिन मेडिकल स्टोर में बोर्ड नहीं लगाया गया है, उन्हें नोटिस दिया जाएगा।

भिलाईः नहीं लगी ...

स्टोर से ही खरीदना जरूरी है। हरिभूमि की टीम जब भिलाई के प्रतिष्ठित स्पर्श अस्पताल पहुंचा तो वहां मौजूद दवा दुकान के बाहर किसी तरह की दवा खरीदी का संदेश संदेश नहीं लगा था।

सूचना नहीं लगाने पर होगी कार्रवाईः निर्देशों का पालन करते हुए निजी अस्पतालों को अपने मेडिकल स्टोर के बाहर इस संबंध में स्पष्ट सूचना प्रमुखता से प्रदर्शित करनी होगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अस्पताल, मेडिकल स्टोर अथवा जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जिले के सभी निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा। **संजय झाडेकर**, औषधि निरीक्षक खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग, दुर्ग

जगदलपुरः निजी अस्पतालों ...

होता है। ऐसे में यदि दवाइयां भी अस्पताल के मेडिकल स्टोर से अपेक्षाकृत अधिक कीमत पर खरीदनी पड़ें तो परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। परिजनों ने संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच कर शासन के निदेर्शों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

सीएमएचओ को देंगे निर्देश : स्वास्थ्य विभाग बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक महेश सांडिया ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। इसके लिए सीएमएचओ को निर्देश देंगे कि इसकी जांच कर कार्रवाई करें।

राजनांदगांवः इन-हाउस ...

औषधि प्रशासन विभाग गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है। जिसकी वजह से निजी मेडिकल स्टोर में आदेश को लेकर सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है, स्थानीय औषधि प्रशासन विभाग ऐसे मेडिकल स्टोर पर कार्रवाई करने से भी बचता नजर आ रहा है ।

धमतरीः सूचना बोर्ड ...

नजर आया। **सूचना लगवाने आदेश करवाएंगेः** इस संबंध में सीएमएचओ डॉ. अरूण टोण्डर ने कहा कि निजी अस्पतालों के मेडिकल में मरीजों को दवाइयां खरीदने की अनिवार्य नहीं संबंधी सूचना बोर्ड नहीं लगे होने पर औषधि प्रशासन विभाग के माध्यम से बोर्ड लगवाने आदेश करेंगे।

समय-समय पर जांच, नोटिस भी जारी किया गया : इस संबंध में हास्पिटलों में संचालित दवा दुकानों को निर्देशित किया गया है कि वे ऐसे स्थान पर जानकारी चस्पा करे जहां आसानी से लोगों की नजर पड़े। समय-समय पर इसकी जांच की जाती है और लापरवाही मिलने पर नोटिस भी जारी किया जाता है।

बीआर साहू, राज्य नियंत्रक प्राधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन

देर से आया मानसून...

बढ़ने के बाद ठंडकता महसूस होगी। मौसम विभाग की मानसून वापसी की पूर्व की तारीख तो गौर करे तो इस बार मानसून दस साल में दूसरी बार अक्टूबर के पहले सप्ताह में अपना बोरिया-बिस्तर समेट रहा है। इस बार इसकी वापसी की शुरुआत 3 अक्टूर से हुई है और संभवतः पहले सप्ताह में ही यह पूरा छत्तीसगढ़ छोड़ देगा। इसके पूर्व वर्ष 2018 में इसने 5 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ छोड़ दिया था।

क्षतिग्रस्त चेकडेम ..

जिले के शंकरगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलफिली स्थित फुलझर नाला पर निर्मित चेक डेम के महज छह महीने में ही क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया था। इस चेकडेम के निर्माण में लापरवाही और गुणवत्ताहीन निर्माण की बात सामने आई थी और चेकडेम के क्षति ग्रस्त होने की शिकायत भी स्थानीय लोगों दवारा की गई थी। ग्राम पंचायत द्वारा बनवाए गए चेक डेम के पहली बारिश भी नहीं झेल पाने को लेकर हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से खबर का प्रकाशन किया गया था। खबर प्रकाशन के बाद जिला पंचायत सीईओ बलरामपुर दवारा मामले में जांच के निर्देश दिए गए थे। जिपं सीईओ के निर्देश पर जल संसाधन विभाग के एसडीओ दिनेश राम, लोनिवि के उप अभियंता सबल राम सोनवानी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी खंड शंकरगढ़ उमाकांत सिंह, उप अभियंता आरईएस जसकमल सिंह छाबड़ा द्वारा मामले की जांच की गई। जांच उपरान्त संयुक्त टीम ने अपना प्रतिवेदन पेश कर दिया है। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि चेक डेम निर्माण के लिए शासन से वर्ष 2025-26 में स्वीकृति मिली थी। शासन दवारा चेकडेम निर्माण के लिए 16.80 लाख रूपए की राशि प्रदान की गई थी। स्वीकृति के बाद ग्राम पंचायत की ओर से सरपंच सचिव द्वारा चेकडेम का निर्माण मनरेगा के तहत कराया गया था। इस दौरान जिला पंचायत के अधिकारियों ने 23 अप्रैल को चेकडेम का निरीक्षण भी किया था और कमियां सामने आने पर सुधार के निर्देश दिए थे।

हरिभूमि और आईएनएच ...

गए विकास कार्यों एवं आने वाले समय में प्रगति की संभावनाओं के साथ ही जनहित के मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अफसरों से चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया सहित जिले के विधायक, पूर्व विधायक एवं भाजपा और कांग्रेस से जुड़े नेताओं के साथ- साथ प्रबुद्धजन एवं जिला व पुलिस प्रशासन, समाजसेवी, व्यापारी सहित सभी क्षेत्र से लोग शामिल होंगे। **विधायक कविता व उत्तरी समेत जनप्रतिनिधि करेंगे शिरकत** : जिला संवाद कार्यक्रम में विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, विधायक सारंगढ़ उत्तरी गनपत जांगड़े पूर्व विधायक सारंगढ़ केराबाई मनहर सहित जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, सरिया नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला पंचायत सदस्य डा. कैलाश नायक व विनोद भारद्वाज, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ताराचंद देवांगन, जनपद पंचायत सारंगढ़ की अध्यक्ष ममता राजीव सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे, पूर्व विधायक पद्मा घनश्याम मनहर शामिल होंगे।

35000 गोपालकों को ...

मंत्रालय की मांग करते रहे, लेकिन तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी ने 75 वर्षों तक अलग सहकारिता मंत्रालय नहीं बनने दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर सहकारिता क्षेत्र को नयी दिशा दी। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे गोपालकों को मिलेगा।

गुमशुदा



श्रीमती हिमांशु कुर्रे

नाम : श्रीमती हिमांशु कुर्रे, उम्र : 32 वर्ष, दिनांक : 02/10/2026 शाम को अपने घर शिवम वाँटिका कॉलोनी, मोपका से बच्चे को ट्यूशन क्लास छोड़ने निकली है। और वापस नहीं आई। आप जहां कही भी हो मम्मी जल्द से जल्द घर आ जाईये- निवी एवं निशी

संपर्क करें :- 9425281246, 7587702777

आम सूचना

ग्राम / डोमा, प.ह.नं.-00084, रा.नि.मं.- रायपुर - 18 कांदुल के संबंध में आम सूचना प्रकाशित की जा रही है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगणों 1. सनत कुमार तिवारी पिता - श्री रामनिहोर तिवारी, 2. श्रीकांत द्विवेदी पिता - श्री हरिगोविंद द्विवेदी, 3. शुभांगी पाण्डेय पति श्री मनीष शुक्ला, 4. अनुकूल मसीद पिता श्री फुफूल्ल मसीद, 5. मनीष शुक्ला पिता श्री अजय कुमार शुक्ला, 6. शिवकुमार चक्रधारी पिता - श्री परमेश्वर चक्रधारी, 7. सुब्रत कर्मकार पिता श्री महादेव कर्मकार, 8. ओम नारायण तिवारी पिता श्री लक्ष्मीनारायण तिवारी, 9. जानकी देवी पिता श्री फिरत दास महंद, 10. अंकूर अग्रवाल पिता - श्री रामुलाल अग्रवाल, 11. प्रकाश कुमार शुक्ला पिता श्री केदार प्रसाद शुक्ला, 12. जीवन सिन्हा पिता श्री टिकाराम सिन्हा, 13. हसन मोहम्मद पिता कासम मोहम्मद, 14. कृष्ण कुमार नत्थानी पिता श्री प्रेम रतन नत्थानी, 15. अमिता साहू पिता श्री भीष्म कुमार साहू, 16. डलेश पटेल पिता श्री सुरेश पटेल, 17. ईशा ढांडा पति श्री विपिन ढांडा, 18. मानसिंह टण्डन पिता - श्री बिसहंत राम टण्डन, 19. मनोज वर्मा पिता बिशंभर प्रसाद वर्मा, 20. संदीप पिता स्व. शुकन्त लाल चावला, 21. चंद्रहास यादव पिता - श्री नरेन्द्र यादव, 22. राखी चावला पति - श्री संदीप चावला, 23. सोनसाय पटेल पिता श्री मखी राम पटेल, 24. विकास कुमार साहू पिता - श्री खेल कुमार साहू, के द्वारा ग्राम डोमा स्थित प.ह.नं.-00084, रा.नि.मं.-18 कांदुल तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है जिसका खसरा नं. 213/2, 213/125, "खसरा नं.- 213 / 2 के अनुसार परिवर्तित" खसरा नं.-15016 "खसरा नं. 213/ 2 के अनुसार परिवर्तित" खसरा नं.-15017/1 " खसरा नं.- 213/2 के अनुसार परिवर्तित खसरा नं. - 15017 /2 खसरा नं. -213/2 के अनुसार परिवर्तित रेसीडेंटियल / कमर्शीयल प्लॉट नंबरों को क्रय करने के संबंध में मेरे पक्षकारों एवं स्वास्तिक प्रोजेक्ट्स पार्टनर नरेन्द्र अग्रवाल पिता चौथमल अग्रवाल निवासी रामसागरपारा रायपुर के मध्य विक्रय इकरारनामा निष्पादित हुआ था, निष्पादित अनुबंध वर्तमान में अस्तित्व में है।

मेरे पक्षकारगणों के द्वारा जांच पड़ताल करने के पश्चात यह जानकारी प्राप्त हुई कि स्वास्तिक प्रोजेक्ट्स के द्वारा उपरोक्त वर्णित सौदाशुदा भूमि को लालचवश उंची कीमत पर GODREJ PROPERTIES के साथ विक्रय पंजीयन की कार्यवाही करते हुए सौदाशुदा भूमि को विक्रय किये जाने का दुष्प्रयास किया गया है उक्त दोनों के द्वारा पूर्व नियोजित षड्यंत्र के तहत मेरे पक्षकारगणों को धोखे में रखकर बयाना राशि प्राप्त कर उक्त राशि उपयोग एवं उपभोग किया जा रहा है। GODREJ PROPERTIES के द्वारा विधि विरुध्द तरीके से उक्त सम्पत्ति को किसी अन्य को विक्रय करने का सौदा किया जा रहा है।

उक्त सम्पत्ति को विक्रय करने का सौदा, इकरारनामा, आदि समस्त संव्यवहार स्वास्तिक प्रोजेक्ट्स एवं GODREJ PROPERTIES के द्वारा अन्य किसी भी व्यक्ति, निकाय, संस्थान इत्यादि के किया जाता है तो वह अवैध व निष्प्रभावी होगा, उक्त सम्पत्ति का इकरारनामा मेरे पक्षकार के साथ किया जा चुका है, जो कि प्रभावशील है, और मैं पक्षकार संपूर्ण भूमि को क्रय करने हेतु तत्पर है।

अतः सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि उपरोक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति संस्था किसी भी प्रकार का कोई सौदा, इकरारनामा या किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार ना करे यदि ऐसा कोई भी संव्यवहार किया जाता है तो वह पूर्ण रूप से अवैध होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर
दिनांक 01.10.2026

पलाश साहू (अधिवक्ता)
पता : राजकुमार कॉलेज, जी. ई. रोड, (छ. ग.) रायपुर
Mob.: +7619565980

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
निविदा निरस्तिकरण सूचना

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यालयीन निविदा क्र.28 दिनांक 28.09.2026 के माध्यम से आमंत्रित निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

सम्पत्तिकर, दुकान किराया एवं पानी बिल का भुगतान ऑनलाईन nigambilaspur.com/ptis पर किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रमांक–7
न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

सार्वजनिक सूचना एवं अस्वीकरण (PUBLIC NOTICE & DISCLAIMER)
(बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन लिमिटेड द्वारा जनहित में जारी)

यह सार्वजनिक सूचना **बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन लिमिटेड ("बिरला ओपन माइंड्स")** द्वारा अभिभावकों, विद्यार्थियों, संरक्षकों, विक्रेताओं (वेंडर्स) एवं सर्वसाधारण जनता की जानकारी हेतु जारी की जाती है:

बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन लिमिटेड का निम्नलिखित पतों एवं संपर्क माध्यमों पर संचालित **"ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल"** (Open Minds International School) अथवा इसके किसी भी रूप/नाम के साथ किसी भी प्रकार का कोई संबंध, संबद्धता (एफिलिएशन), सहयोग, साझेदारी, फ्रैंचाइज़ी समझौता, लाइसेंसिंग व्यवस्था या संस्थागत संपर्क **नहीं** है:

- **परिसर 1** (Campus 1): J1 जीवन विहार कॉलोनी, वीआईपी चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़
- **परिसर 2** (Campus 2): आनंदम वर्ल्ड सिटी, कचना, रायपुर, छत्तीसगढ़
- **वेबसाइट:** https://openmindsinternationalschool.com/
- **ईमेल:** omis.raipur@gmail.com

बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन लिमिटेड उपरोक्त उल्लिखित परिसरों में किसी भी शैक्षणिक, प्रशासनिक, प्रवेश (एडमिशन), वित्तीय या व्यावसायिक गतिविधियों का प्रबंधन, पर्यवेक्षण, संचालन या अधिकृत नहीं करता है।

तदनुसार, उक्त विद्यालय/शाखाओं के संचालन से उत्पन्न होने वाले या उससे संबंधित किसी भी प्रवेश (एडमिशन), शुल्क (फीस) के लेन-देन, पाठ्यक्रम वितरण, वादों, आश्वासनों, अनुबंधों, विवादों, नुकसान, दावों, कार्यों या चूकों के लिए **बिरला ओपन माइंड्स किसी भी रूप में कतई उत्तरदायी या जिम्मेदार नहीं होगा।**

कोई भी व्यक्ति यदि उपरोक्त परिसरों के साथ किसी भी प्रकार का व्यवहार या लेन-देन करता है, तो वह ऐसा पूर्णतः अपने स्वयं के विवेक एवं जोखिम पर करेगा।

बिरला ओपन माइंड्स के आधिकारिक विद्यालयों एवं अधिकृत नेटवर्क केंद्रों के संबंध में प्रामाणिक व वास्तविक जानकारी के लिए कृपया legal@birlaopenminds.com पर संपर्क करें।

जनहित में जारीकर्ता:
बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन लिमिटेड

आरोपी के पति ने दायर की तलाक की याचिका

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक की एक पारिवारिक अदालत ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की नासिक इकाई में कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण के मामले में आरोपी निदा खान को उनके पति द्वारा दायर तलाक याचिका के बाद समन जारी किया है।

केन्या में सड़क हादसा, 13 लोगों की मौत, अधिकतर कैथोलिक तीर्थयात्री

नैरोबी। केन्या के तटीय शहर मोम्बासा जाने वाले राजमार्ग पर कई वाहनों की टक्कर में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये लोग तीर्थयात्री थे। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना आधी रात के बाद सलामा इलाके में हुई। एक ट्रक चालक ने आगे जा रहे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हुआ और ट्रक अनियंत्रित होकर मुड़ गया और कई वाहनों से टकरा गया। वैन का चालक और कम से कम 12 यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वैन में कुल कितने तीर्थयात्री सवार थे और क्या कोई व्यक्ति हादसे में बचा है। मोम्बासा के कैथोलिक आर्चडायोसीज के आर्चबिशप मार्टिन किवुवा ने बताया कि तीर्थयात्री नैकुरू काउंटी में स्थित एक प्रार्थना स्थल की ओर जा रहे थे, जो केन्या की राजधानी नैरोबी के पश्चिम में है। अफ्रीका में सड़क दुर्घटनाएं एक बड़ी समस्या है। इन हादसों के लिए अक्सर खराब रखरखाव वाले वाहन, अत्यधिक गति और खराब सड़क परिस्थितियों को जिम्मेदार माना जाता है।

हार छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करती कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी के निर्देश पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को 'अवैध' बताना संवैधानिक संस्थाओं और जनादेश का अपमान है। चौहान ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दिया गया बयान उनकी हताशा, पराजय की मानसिकता और संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार करने की पुरानी परिपाटी का एक और प्रमाण है। जब-जब देश की जनता कांग्रेस को चुनावों में नकारती है, तब-तब कांग्रेस लोकतंत्र, चुनाव आयोग, ईवीएम और देश के जनादेश को बदनाम करने की साजिश रचने लगती है। कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को 'अवैध' कहना न केवल 140 करोड़ भारतीयों के लोकतांत्रिक विवेक का अपमान है, बल्कि संविधान का भी खुला अनादर है। जिस प्रधानमंत्री को देश की जनता ने पूर्ण बहुमत और रिकॉर्ड जनादेश के साथ चुना है, उन्हें 'अवैध' करार देना कांग्रेस के अहंकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसके अविश्वास को दर्शाता है। गांधी परिवार या कांग्रेस सत्ता में हो? जहां एक लोकतांत्रिक देश में किसी सरकार का पांच साल तक चल जाना भी एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, वहीं भारत जैसे विविधतापूर्ण और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लगातार तीन बार मुख्यमंत्री पद पर और उसके बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में जनता द्वारा ऐतिहासिक बहुमत से चुना जाना यह साबित करता है कि देश की जनता का विश्वास किस पर है।



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

(1) **निविदा सूचना संख्याः ई-आर-टी-100-26-27, दिनांकः 01.10.2026.**
कार्यः वरिष्ठ मंडल अभियंता/I/ रायपुर के अधिकार क्षेत्र में रेल, स्लीपर और उसके टर्नआउट और एस.ई.जे. फिटिंग्स का सामान्य नवीनीकरण का कार्य। **निविदा मूल्यः** ₹ 47,45,284/-. **ईएमडीः** ₹ 94,900/-.

(2) **निविदा सूचना संख्याः ई-आर-टी-101-26-27, दिनांकः 01.10.2026.**
कार्यः (1) सी.एम.एस.सी. से डब्ल्यू.सी.एम.एस.सी. तक का नवीनीकरण– 130 सेट (योजना आधारित) **(2)** टी.टी.आर. (टी.डब्ल्यू.एस. + डब्ल्यू.सी.एम.एस.सी.)– 18 सेट (मेन लाइन) & 34 सेट (लूप लाइन), टी.टी.आर. (डब्ल्यू.सी.एम.एस.सी.)– 38 सेट & टी.टी.आर. (डी.एस.) – 8 सेट का कार्य। **निविदा मूल्यः** ₹ 2,62,10,794/-. **ईएमडीः** ₹ 5,24,200/-.

(3) **निविदा सूचना संख्याः ई-आर-टी-102-26-27, दिनांकः 01.10.2026.**
कार्यः (1) ओर्डिनरी/ ईम्प्रूव्ड एस.ई.जे. को पी.एस.सी. स्लीपर वाले टी.

तरकश

संजय के. दीक्षित

18 बरस का तरकश

2008 में हरिभूमि समाचार पत्र से प्रारंभ हुआ साप्ताहिक स्तंभ 'तरकश' ने 18 बरस पूरे कर लिए हैं। किसी भी स्तंभ के लिए सबसे जरूरी होती है उसकी निरंतरता। 'तरकश' ने इस पैरामीटर पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया। इन 18 बरसों में बड़े कम मौके आए...जब विषम परिस्थितियों में तीर नहीं चल पाए। वरना...छत्तीसगढ़ में रहे, या छत्तीसगढ़ से बाहर, कॉलम का क्रम टूटा नहीं। इस डेढ़ दशक के लगातार सफर का क्रेडिट जाता है छत्तीसगढ़ के उन लाखों सुधि पाठकों को, जिनका भरोसा समय के साथ और मजबूत होता चला गया। हर रविवार...पाठकों के घनघनाते फोन और मैसेज ने प्रेरित किया कि कठिन हालातों में भी 'तरकश' कभी रुकना नहीं चाहिए। और वैसा ही हुआ। 2008 में यह स्तंभ प्रारंभ हुआ, उसके बाद चार विधानसभा चुनाव हुए। सरकारें बदली। सिस्टम बदला। मगर स्तंभ न रुका, न तेवर बदला। यह एक तपस्या की तरह रहा। पर्सनल राग-द्वेष से बिल्कुल दूर। इस चक्कर में कई बार अपने भी आहत हुए...दुखी हुए। मगर फिर जुड़ गए। क्योंकि मंशा साफ थी। बहरहाल, किसी एक अखबार में किसी कॉलम की 18 बरस याने डेढ़ दशक की यात्रा कम नहीं कही जा सकती। जाहिर है, 2008 में जन्मे बच्चे आज वोटर हो गए हैं। जब यह स्तंभ प्रारंभ हुआ, तब संवाद प्रेषण का जरिया सिर्फ एसएमएस था...और थोड़ा बहुत फेसबुक। व्हाट्सएप का अविष्कार नहीं हुआ था। इस अनवरत सफर के लिए हरिभूमि पत्र समूह और उसके प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी को आभार...जिन्होंने 'तरकश' जैसे प्रहारक स्तंभ के लिए अपना प्लेटफार्म उपलब्ध कराया। आभार छत्तीसगढ़ के उन लाखों 'सुधि पाठकों' का भी...जिनकी बदौलत 'तरकश' का सफर अविराम जारी है।

पब्लिक के हक पर डाका!

बात 14 साल बरस पुरानी है। 2012 की। राजधानी रायपुर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए भारत सरकार से 100 बसें मिली थीं। उसी दौरान...यही कोई अक्टूबर का महीना होगा। मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालय रायपुर से नवा रायपुर में शिफ्थ किए जा रहे थे। सिस्टम ने पब्लिक



के लिए मिली बसों को नवा रायपुर जाने वाले कर्मचारियों के लिए लगा दिया। तब शायद बेंगलुरू की कंपनी से कंट्रेक्ट यह हुआ था कि कर्मचारियों को नवा रायपुर ले जाने, ले आने के बाद बचे समय में रायपुर शहर में बसों को चलाई जाएगी, ताकि आम आदमी को उसका फायदा मिल सकें। कुछ दिन तक ऐसा हुआ भी, मगर बाद में कंपनी ने शहरों में बसें चलानी बंद कर दी। क्योंकि, कंपनी को जब कर्मचारियों को लाने-ले जाने पर ही भरपूर पैसा मिल जा रहा तो फिर आम आदमी की उसे परवाह क्यों होनी चाहिए। आजकल सारी बसें दिन भर मंत्रालय के आसपास ख़डी रहती हैं. हालांकि, अफसर कागजों में दावा करते हैं कि 20 बसें अभी भी शहर में चल रही मगर वो किधर चलती है, कभी किसी को दिखी नहीं। याने पब्लिक को मिली 100 बसों की सुविधा छीन गई।

अफसर को संविदा पोस्टिंग

राज्य बनने के 25 साल मे यह दूसरी बार हुआ कि किसी ऑल इंडिया सर्विस के अफसर ने वीआरएस लिया और फिर से उसे संविदा पोस्टिंग मिल गई। पहली बार अमन सिंह को जब भारत सरकार ने डेपुटेशन को बढ़ाने से इंकार किया था, तो फिर उन्होंने वीआरएस ले लिया था। आईआरएस अफसर शीतल शाश्वत वर्मा के साथ भी ऐसा ही हुआ। सात साल तक डेपुटेशन पर रायपुर मंत्रालय में काम करने के बाद जब एक्टेंशन की गुंजाइश नहीं बची तो उन्होंने वीआरएस ले लिया। तब इसी स्तंभ में इस बात की ओर इशारा किया गया था कि कुछ दिन बाद वे संविदा पोस्टिंग में लौटेंगी और वैसा ही हुआ। शीतल को चीफ सिकेट्री ऑफिस में स्पेशल सिकेट्री का भी प्रभार दिया गया है। ये भी फर्स्ट टाईम हुआ है। डायरेक्टर आईएएस में भी दो ही महिला अफसर सीएस की ज्वाइंट सिकेट्री बनी हैं। पहले ईशिता राय और फिर रेणु पिल्ले। शीतल आईआरएस अफसर रही हैं। उन्हें उन दोनों से उपर स्पेशल सिकेट्री टू सीएस बनाया गया है।

तीन विभागों का घनचक्कर

कर्मचारियों के लिए बसें चलाने में तीन विभाग इंवाल्व हैं। सामान्य प्रशासन विभाग एनआरडीए को पैसा देता है। एनआरडीए ने बसों का संचालन का जिम्मा रायपुर नगर निगम को दे दिया है। अब आप बसों की शर्तों के बारे में जीएडी से पूछेंगे तो वह एनआरडीए पर डाल देगा और एनआरडीए के पास जाइयेगा तो वह नगर निगम से पूछिए। बताते हैं, जीएडी 2700 रुपए प्रति कर्मचारी के हिसाब से कंपनी को हर महीने इन बसों के लिए 90 लाख रुपए देता है। इस 90 लाख में कंपनी का काम सिर्फ ड्राईवर और फ्यूल का इंतजाम करना है। बाकी बसें तो भारत सरकारी से मिली है। इसमें ये भी एक लोचा है कि बड़ी संख्या में कर्मचारी नवा रायपुर में रहने लगे हैं और काफी संख्या में वे अपने साधन से आते हैं। मगर उन्होंने बस के पास सरेंडर नहीं किए हैं। दूसरा फ्री की बस सेवा सिर्फ सरकारी कर्मचारियों के लिए थी, मगर प्लेसमेंट के कर्मचारी भी इस सरकारी सुविधा का लाभ उठा रहे। अब मुश्किल यह है कि 12 बरस में बसें कंडम होती जा रही हैं। दो बार आग लगने की घटना हो चुकी है। सिस्टम उलझन में है कि नई बसें कैसे खरीदी जाए और फिर कर्मचारियों को और कितने साल तक फ्री ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराई जाए। दरअसल, इस पर सहमति नहीं बन पा रही। अफसरों के एक वर्ग का मानना है कि 14 साल फ्री सर्विस बहुत होता है...फिर अब तो नई राजधानी में आवास भी खाली पड़े.हैं। तो दूसरे वर्ग को लगता है फ्री सेवा बंद करने से कहीं कर्मचारी नाराज न हो जाएं। क्योंकि, सवाल तो उठेगा...करोड़ों का बंगला लेने के बाद भी मंत्री कौन सा नवा रायपुर में आकर रह रहे हैं।

सफेदपोश चोर

भिलाई स्टील प्लांट में लोहा चोरी की जांच के लिए सीबीआई पहुंच गई है। इससे वहां के सफेदपोश नेताजी लोग हिल गए हैं। दरअसल, बीएसपी में प्रति दिन तीन-से-चार करोड़ की लोहा चोरी हो रही थी। याने महीने में करीब 100 से 120 करोड़ के। ये भी जान लें कि भिलाई में पिछले दो-ढाई दशक में जितने नेता बने हैं, उनमें 98 परसेंट से अधिक लोग लोहा चोरी में संलिप्त रहे। और जब बेशुमार दौलत बना लिए तो सफेद वस्त्र पहन पॉलिटिक्स में आ गए। राजनीति में आने के बाद वे लोहा चोरों को संरक्षण दे रहे थे। हालांकि, भारत सरकार की इस स्टील कंपनी से रोज करोड़ों का लोहा पार करने में कंपनी के अधिकारियों ने भी बहती गंगा में खूब डूबकी लगाई। आखिर, दुर्ग पुलिस ने बीएसपी के जीएम समेत कई को अरेस्ट कर जेल भेजा है। सीआईएसएफ ने भी अपने डीआईजी को हटा कर असम भेज दिया है। सीआईएसएफ पर आरोप है कि जिस गेट से लोहा चोरी कर ले जाया जाता था, सीआईएफएस ने जानबूझकर वहां न तो सीसीटीवी लगवाया था और न वहां किसी जवान को तैनात किया। खैर, ठीक ही कहा गया है, अति का अंत होता है। बहरहाल, सीबीआई के नाम से भिलाई-दुर्ग के नेताओं की रात की नींद उड़ गई है, न जाने कब उनके दरवाजे पर सीबीआई धमक जाए।

गजब दिवाली



टेंट वालों की इस बार गजबे दिवाली मनेंगी। पीडब्लूडी के ईएनसी ऑफिस ने लंबे समय से बकाया 110 करोड़ रुपए जारी कर दिया है। इसमें एक-एक टेंट वालों को गिरे हालत में चार-से-पांच करोड़ रुपए मिले हैं। दरअसल, विभिन्न जिलों में मंत्री, मिनिस्टरों के लिए पंडाल, मंच बनते हैं, उसका लंबे समय से बिल बकाया था। खैर, बेचारे टेंट वाले काम किए हैं तो पेमेंट तो होना ही चाहिए। मगर ये भी सनद रखना चाहिए...विधायक सुशांत शुक्ला ने इसी साल बजट सत्र में प्रश्न लगाया था कि बिलासपुर में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हुआ एक और टेंट वाले ने बिल लगा दिया दो कार्यक्रमों का। और आश्चर्य ये कि वहां के पीडब्लूडी के एसई ने उसे पास भी कर दिया। सदन में पीडब्लूडी मंत्री ने इसकी जांच कराने कहा, मगर आज तक पता नहीं चला कि डबल पेमेंट मामले में किसी अफसर का एक बाल भी बांका हुआ? बहरहाल, टेंट वाले तो ईएनसी की जय जयकार कर रहे हैं।

नवरात्रि में सियासी गहमागहमी

30 सितंबर को दिल्ली में राज्यों के नियुक्त नए प्रभारियों और संगठन मंत्रियों की बैठक हो गई। पार्टी अध्यक्ष ने सबको टास्क दिया। साथ में ये निर्देश भी...पितृ पक्ष के बाद सभी अपने प्रभार वाले राज्यों में अपनी जिम्मेदारी संभाल लें। बताते हैं, छत्तीसगढ़ की प्रभारी स्मृति ईरानी और संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह नवरात्रि में किसी दिन छत्तीसगढ़ आएंगे। संकेत मिल रहे, नवरात्रि शुरू होने के दूसरे या तीसरे दिन ही दोनों रायपुर आ जाएं। राजनीतिक पंडितों का मानना है, दोनों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे यहां कितना टाईम देते हैं। वैसे, संगठन मंत्री के नाते कर्मवीर सिंह को यहां रहना होगा। मगर प्रश्न स्मृति ईरानी का है। हालांकि, छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के जस्ट बाद लोकसभा चुनाव होता है। लिहाजा, स्मृति अपना परफार्मेंस दिखाने में कोई कमी तो नहीं ही करेंगी। बता दें, नितिन नबीन जब पिछले विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ के सह प्रभारी थे, पूरे छत्तीसगढ़ का मथ डाला था। सूबे का शायद ही कोई ब्लॉक होगा, जहां वे नहीं पहुंचे। इसलिए, कार्यकर्ताओं से उनके सीधे रिश्ते बन गए थे। वह विधानसभा चुनाव में काम आया। नए प्रभारी और सह प्रभारी से भी बीजेपी कार्यकर्ता ऐसा ही उम्मीद संजोए हुए हैं। स्मृति से तो थोड़ा ज्यादा ही। कार्यकर्ताओं को लग रहा, स्मृति ही कुछ कर पाएंगी।

एक मंत्री, दो विभाग, दो नियम

डिप्टी सीएम अरुण साव के पास पीडब्लूडी है और नगरीय प्रशासन भी। मुकेश बंसल ने पीडब्लूडी सिकेट्री की जिम्मेदारी संभालते ही ठेकेदारों से काम फास्ट करने के लिए डामर का रेट रिवाइज कर दिया। दरअसल, ईरान युद्ध के बाद डामर का रेट बढ़ गया है। इस वजह से जो ठेकेदार पुराने रेट में टेंडर ले लिए थे, वे काम में रुचि नहीं दिखा रहे थे। जाहिर है, कोई नुकसान में काम करेगा नहीं। मगर अब डामर के रेट रिवाइज होने के बाद सड़कों के कामों में आश्चर्यजनक तौर पर तेजी आ गई है। मगर नगरीय प्रशासन विभाग के अफसरों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। लिहाजा, शहरी इलाकों में सड़कों की मरम्मत का काम ठप्प पड़ा हुआ है। जबकि, डेवलमेंट का मैसेज शहरों से ही जाता है। खैर, अब सरकार ने सोनमणि बोरा को अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन का सिकेट्री बनाया है, तो हो सकता है वहां भी डामर का रेट रिवाइज हो और काम में तेजी आए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. . रायपुर में ऑल इंडिया सर्विस का कौन अधिकारी है, जो कर्मवीर सिंह को छत्तीसगढ़ का संगठन मंत्री बनने पर मुख्यमंत्री से पहले फोन कर बधाई दे डाली?
2. स्मृति ईरानी के प्रदेश प्रभारी बनने के बाद मंत्रियों की सोशल मीडिया टीम इतना एक्टिव क्यों हो गई है?

दृश्यम 3: बॉक्स ऑफिस पर मचाया तहलका...

मुंबई। अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' ने सिनेमाघरों में आते ही बॉक्स ऑफिस पर ऐसा तूफान मचाया है कि बड़े-बड़े रिकॉर्ड पीछे छूट गए। अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी 'दृश्यम 3' 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर रिलीज हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन भारत में 66.75 करोड़ रुपए नेट कलेक्शन किया है। वहीं इसका इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 80.10 करोड़



रुपए के पार पहुंच गया। विदेशों में फिल्म ने करीब 15 करोड़ रुपए कमाए हैं। इस तरह फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन पहले दिन ही 95.10 करोड़ रुपए हो गया। इस शानदार शुरुआत के साथ 'दृश्यम 3' अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। फिल्म की एडवांस बुकिंग ने भी रिलीज से पहले ही माहौल बना दिया था।

कोमल रानी ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई। एक्टर गोविंदा और एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार इन दिनों अपने कथित अफेयर को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है, जिसके बाद उनके अफेयर की चर्चाएं तेज हो गईं। इस मामले में दिव्या खोसला और कश्मीरा शाह समेत कुछ सेलेब्स ने भी सुनीता आहूजा का सपोर्ट करते हुए कोमल रानी पर सवाल उठाए थे। अब एक्ट्रेस ने पहली बार इन तमाम बातों पर खुलकर जवाब दिया है। कोमल रानी ने गोविंदा के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'रूपा' का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों का साथ नजर आना काम का हिस्सा है। कोमल रानी ने अपने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा कि वह और गोविंदा साथ काम कर रहे हैं और आगे भी साथ नजर आएंगे।

'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। परिणीति चोपड़ा एक इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर में नजर आने वाली हैं। थ्रिलर फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर अब आ गया है। ध्रुव त्रिपाठी के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म अवैध रेत खनन पर आधारित है और फिल्म में एक रिपोर्टर और उसके कैमरामैन की कहानी देखने को मिलेगी, जिन्हें एक दुखद घटना की जांच के दौरान एक खौफनाक सच्चाई का पता चलता है। मेकर्स ने हाल ही में 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर जारी किया है। 2 मिनट 2 सेकंड लंबे इस ट्रेलर की शुरुआत एक जानलेवा घटना के साथ होती है,



जो एक महत्वाकांक्षी रिपोर्टर संध्या और उसके कैमरामैन विनोद का ध्यान अपनी तरफ खींचती है। फिल्म में पत्रकार की भूमिका में परिणीति चोपड़ा और कैमरामैन के रोल में देवेन भोजानी नजर आएंगे। दोनों अवैध रेत खनन से जुड़ी दुखद घटना की जांच में लगे होते हैं और जैसे-जैसे वह मामले की गहराई में जाते हैं और ताकतवर लोगों से सवाल-जवाब करते हैं, हालात खतरनाक हो जाते हैं। हर एक जवाब एक नया सवाल खड़ा करता है, जिससे दोनों और अधिक जोखि में फंसते जाते हैं।

पॉजिटिव रिस्पॉन्स से खुश

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म 'नई नवेली' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है। दशहरा के मौके पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फैंटेसी फैमिली



एंटरटेनर के ट्रेलर को मिल रहे पॉजिटिव रिस्पॉन्स से एक्ट्रेस भी काफी खुश हैं। इसी बीच यामी अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचीं, जहां फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। फिल्म में फैंटेसी, ह्यूमर और एक्शन के साथ भारतीय परिवारों से जुड़े कई ऐसे पहलुओं को दिखाया गया है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकेंगे। पटना पहुंचने पर यामी गौतम धर का फैंस ने ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों से मिले प्यार को देखकर काफी खुश नजर आईं। इस दौरान उन्होंने फैंस के साथ फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे रिस्पॉन्स का जश्न मनाया और उनका आभार जताया। 'नई नवेली' के ट्रेलर में यामी एक अलग और पहले से हटकर अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसे लेकर दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की उत्सुकता बनी हुई है।

अर्जुन की थ्रिलर फिल्म का हुआ ऐलान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर' में मेजर इकबाल का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब उनके चाहने वालों के लिए एक अच्छी खबर है।



दरअसल, एक्टर की नई थ्रिलर फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम '3 मंकीज' है। फिल्म में अर्जुन रामपाल के साथ विशाल जेठवा, मुस्तफा बर्मावाला और तेनजिन दल्हा भी नजर आने वाले हैं और इसका निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया है। '3 मंकीज' का कैंपेन 'श्री वाइज मंकीज' की मशहूर सोच को आज के समय के हिसाब से नए अंदाज में पेश करता है। मोशन पोस्टर में फिल्म के मुख्य किरदारों की झलक दिखाई गई है, लेकिन कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।'3 मंकीज' को अल्लारखा वोहरा, फारूक वोहरा और सईद वोहरा ने प्रोड्यूस किया है। एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 4 दिसंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

ऑपरेटर/मार्केटिंग

अतिशीघ्र आवश्यकता है- 1. कप्यूटर ऑपरेटर 3 अनुभव 2 वर्ष टेंडर कार्य, ऑनलाइन, जेम, ऑफलाइन वेतन 15000 से 25000 2. मार्केटिंग ऑफिसर 4,वेतन 25000 से 40000 अनुभव 3 वर्ष मार्केटिंग कार्य योग्यता MA/ MBA संपर्क करे- Alert sgs private limited कार्यालय:प्रथम तल 06 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर छत्तीसगढ मोबाइल:- 8720005500.(आरे-815)

टीचर

आवश्यकता है- प्रकाश पब्लिक स्कूल में MSC., BED.,(मैथ्स), प्राइमरी मे डीएड टीचर व आया महिला की आवश्यकता है। संपर्क विथ बायोडाटा। पता:- सेक्टर-11, जोन-1, खुर्सीपार भिलाई - 9399147944.(आरे-4175)

अकाउंट/कम्प्युटर

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान और गोदाम में काम के लिए लड़के चाहिए। अकाउंट, कम्प्युटर और सेल्स वाले भी संपर्क करें। सैलरी 14,000 से शुरू। जगह नहरपारा बॉम्बे मार्केट, राज टॉकीज के सामने। कॉल करें- 9302702087. (आरे-4185)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान मे सेल्स काम करने हेतु अनुभवी लड़के व लड़कियो की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करे:- कलर्स शाप कटोरा तालाब रायपुर Mob. 9827873174. (आरे-220)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु मैनेजर एवं गार्ड की आवश्यकता है। स्थानीय को प्राथमिकता। संपर्क- होटल साकेत इन, डागा पेट्रोल पंप के बाजू , फाफाडीह चौक, रायपुर। मो.- 7468810000. (आरे-828)

सेल्स/मार्केटिंग

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़, ओड़िशा में सेल्स/मार्केटि हेतु फ्रेशर्स की आवश्यकता है. ट्रेक्टर एक्सेसरीज में कार्य करनेवाले व्यक्ति कमीशन पे काम के लिए सम्पर्क करे फ़ोन 9977454909 . समय सुबह 9 से शाम 7 (आरे-26435)

हेल्पर/वेटर

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट कैफे में काम करने के लिये हेल्पर एवं वेटर की आवश्यकता है. टेक ए ब्रेक कैफे, लोकेशन कुम्हारी . 8982228900.(आरे-398)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर शहर में गैस सिलेंडर डिलवरी हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइवर को Bolero महेंद्रा पिकअप चलाने का अनुभव हो तथा हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस (Heavy Vehicle License) अनिवार्य है। रायपुर का स्थानीय निवासी होना। वेतन-18,000/- प्रतिमाह सम्पर्क:- 9183313130, 9179829993.(आरे-785)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- गोल बाजार में थोक रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़के की अनुभवी/ बगैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा सहित मिले। महेश फैब्रिक अलका रेस्टोरेंट के सामने दुकान नं 8 जैन ज्योति काम्प्लेक्स, चिकनी मंदिर के पास गोल बाजार रायपुर (छ. ग.) मो. - 9752022866, 7415842111.(आरे-347)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर के काम हेतु महिला की आवश्यकता,काम का समय सुबह 8 से 12, वेतन 6000/- संपर्क 8120289207, 9300201654.(आरे-219)

आवश्यकता है- बच्चा सँभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं ख़ाना दिया जाएगा। स्थान तेलीबांधा , रायपुर सम्पर्क करे: 9575042814. (आरे-om)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Property प्रापर्टी

प्लाट/जमीन

बेचना है- ऊं जनरल स्टोर्स हनुमान नगर सड़क 40 के पास दुर्ग में 30×50=1500+750(फ्री)=2250 स्क्वेयर फीट उत्तरमुखी लास्ट कार्नर का सर्वसुविधायुक्त आवासीय (गुप्त) गोडाउन हेतु भी उपयुक्त 26 लाख चुकता में ऊपलब्ध है। संपर्क करें- मोबाइल नंबर- 7089077054. (आरे-1407)

बेचना है- कांकेर माकड़ी (कांकेर - रायपुर रोड) नया माकड़ी होटल पंजाबी ढाबा से लगभग 300 मीटर कि दूरी पर मेन रोड किनारे 1 एकड़ 15 डिसमिल जमीन बिक्री हेतु उपलब्ध। खरीदार संपर्क करें - 8770236792. (आरे-om)

प्लॉट बेचना है - बिलासपुर सकरी मेन रोड से दो कदम दूर पूर्ण विकसित कॉलोनी में सीसी रोड नाली, पानी, बिजली, सर्व सुविधायुक्त सहित नॉर्थ फेसिंग प्लॉट 100×50= 5000 वर्गफुट बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268. (आरे-41750)

Medical चिकित्सा

नशा मुक्ति केन्द्र- सभी प्रकार के नशे का ईलाज काउन्सलिंग, योग ध्यान, दवाईयों एवं आध्यात्मिक प्रोग्राम द्वारा सम्भव है। मनोरोगियों का ईलाज मनोचिकित्सक द्वारा किया जाता है सम्पर्क करें- 9340093665. (आरे-41915)

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ



पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा टूंसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।

चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।

तांत्रिक सम्राट
डॉ. जे.पी. दुबे
तंत्र पी.एच.डी. (गोल्ड मेडलिस्ट)
गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295
नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।
स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।
आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

For Rent किराया

किराये से देना है - शहर के मध्य फरिस्ता कॉम्प्लेक्स के पास एक होटल "गोल्डी होटल" किराए से देना है, संपर्क करे हरमीत सिंह भामरा, मोबाइल - 9754355587. (आरे-meeth)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि ये समाचार पत्र ये प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, किराड़ संबंधित) या किसी भी तरह-दावे या अमल लाने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लिए व संतोषजनक से बिना लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में बिना किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की ज़िम्मेदारी (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। इसके अलावा, संपादक कार्यालय और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के आपसी व्यवहारों पर खुद न उलझने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड एजेंसी
विज्ञापन हेतु संपर्क करें...

एजेंसी	पता	संपर्क नं.
अतुल पब्लिसिटी	सदर बाजार	94062-00210
ओम विज्ञापन एजेंसी	न्यू राजेन्द्र नगर	93036-90016
मितनिशा एड	टिपो कॉम्प्लेक्स देवपुरी	93298-46567
नाईस पब्लिसिटी	शारदा चौक	93002-19536
महेश्वरी पब्लिसिटी	देवेन्द्र नगर	0771-2234113
प्रेमप्रकाश मध्यानी	श्याम नगर/कटोरा तालाब	93294-07988
माँ एड एजेंसी	पी.एस. सिटी	93005-12211
राजेश पब्लिसिटी	समता कालोनी	99263-08899
विजय घोष	पुरानी बस्ती	98261-16051
आदित्य एड एजेंसी	टिकरापारा	93010-51757
देव एड एजेंसी	जयस्तंभ चौक	98268-77609
खन्ना एड एजेंसी	स्टेशन रोड	93001-60001
छत्तीसगढ़ डेल्टा	सुन्दर नगर	92294-96081
सुगीत एड एजेंसी	शहीद स्मारक	98261-61116
शिवम एड एजेंसी	बुढातालाब	93291-00263
ए.के. एड एजेंसी	तात्यापारा चौक	98261-45558
किशोर पब्लिसिटी	छोटापारा	98271-62038
एम्बेसी कार्पोरेट	देवेन्द्र नगर	98267-06506
शांति विजय एड	पचपेड़ी नाका	93001-61001
ए.एस.ए. एड एजेंसी	गुरूनानक चौक	98271-62101
ग्रयास एड एजेंसी	श्याम प्लाजा	94062-36209

फोन- 0771-4242242, 90981-38778

Healthcare

यौन रोग व यौन कमजोरी

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

कानपुर हैलर्स एन्ड स्किन केयर क्लिनिक
डर्मो.एस.ओ. एसोसिएटेड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.डी. अग्रवाल (BAMS MD)
(यौन रोग विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल (फार्मा साईंटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वस्थ्य टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
98271-89213,94255-55659
96177-89223,93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय दोपहर 12 से 7 बजे तक

एशियाड में चौथे स्थान पर पहुंचा भारत

टीम इंडिया ने बचाए खिताब, कुमकुम-प्रणवी को गोल्ड

एजेंसी ▶▶| निशिन

स्टार खिलाड़ियों से सजी क्रिकेट और हॉकी टीम ने उम्मीद के मुताबिक अपने खिताब बरकरार रखे, लेकिन 17 वर्षीय तीरंदाज कुमकुम मोहाद, गोल्फर प्रणवी उर्स और रेसलर अमन सहरावत ने इतिहास रचते हुए भारत के लिए अंत में आई स्वर्णिम लहर में अहम योगदान दिया, जिसने शनिवार को यहां एशियाई खेलों में देश को सम्मानजनक चौथे स्थान पर पहुंचाया। भारत हालांकि पिछले चरण में जीते गए 106 पदकों की बराबरी या उससे बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सका, लेकिन 85 पदकों की कुल संख्या भी काफी अच्छा प्रदर्शन है।

हालांकि उम्मीद इससे बेहतर की थी, खासकर निशानेबाजों और बैडमिंटन खिलाड़ियों से। अंत में भारत ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक हासिल किए। शनिवार देश के लिए जश्न से भरा दिन रहा क्योंकि क्रिकेट और हॉकी के जाने-पहचाने सितारों ने शानदार प्रदर्शन किया। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली क्रिकेट टीम ने निशिन में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 19 रन से जीत दर्ज की।

हॉकी टीम ओलंपिक खेलों के लिए सीधे किया क्वालीफाई

हॉकी टीम इस स्वर्ण पदक ने 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई कर गई। दिन के एक और स्वर्ण विजेता बेहद शांत स्वभाव वाले ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत रहे। उन्होंने 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी काबिलियत का फिर लोहा मनवाया।



पदक तालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	169	89	83	341
2	जापान	83	95	91	269
3	द.कोरिया	39	43	68	150
4	भारत	21	27	37	85
5	उज्बेकिस्तान	21	25	24	70

17 वर्षीय तीरंदाज कुमकुम ने रचा इतिहास



कुमकुम के लिए यह एशियाई खेलों में किसी सपने के पदार्पण से कम नहीं रहा। महाराष्ट्र की इस 17 वर्षीय तीरंदाज ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किए। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत कोटा स्थान भी हासिल किया। कुमकुम ने दबाव में संयम के साथ खेलते हुए कोरिया की ओ येजिन को शूटआउट में 6-5 से हराया। स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद कुमकुम ने शूटआउट में 10 स्कोर किया जबकि येजिन आठ ही स्कोर कर सकी।

नीरज ने जीता कांस्य पदक

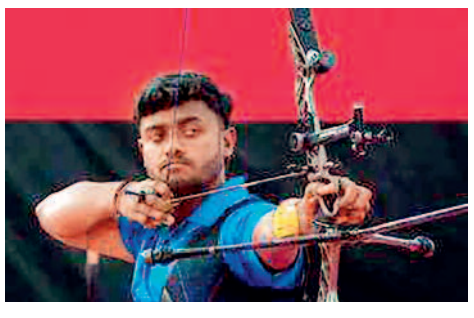

दिन का एक और रजत पदक पहलवान अंतिम पंघाल ने महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में जीता। वहीं रिकर्व तीरंदाज नीरज चौहान ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाले हमवतन धीरज बोम्मदेवरा को हराकर पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारत ने की सीरीज अपने नाम

विंडीज ने रिकॉर्ड रन-चेज के साथ जीता आखिरी मुकाबला



एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

कप्तान शाइ होप के नाबाद 162 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने तीसरे और आखिरी वनडे में भारत को 5 विकेट से हराया। भारत ने तिरूवनंतपुरम और गुवाहाटी में पहले दो मैच जीतने के बाद श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। होप ने 21वां वनडे शतक लगाया और 143 गेंद की उनकी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने जीत के लिए 352 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया, जो वनडे क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले लोकेश राहुल ने नाबाद 129 रन की आक्रामक पारी खेली, रोहित शर्मा (92) तथा ऋतुराज गायकवाड़ (57) की अर्धशतकीय पारियों के बूते भारत ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए सात विकेट पर 351 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था।

रोहित और राहुल ने खेली विस्फोटक पारी : इससे पहले राहुल ने भारतीय पारी को विस्फोटक अंदाज में समाप्त करते हुए 87 गेंद में 10 चौके और छह छक्के जड़े। उन्होंने अपना नौवां वनडे शतक पूरा करने के बाद अंतिम ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भारत को 350 रन के पार पहुंचाया। भारत के चार रन पर दो विकेट गंवाने के बाद पारी को संभालने वाले रोहित ने अपनी 85 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

स्कोर बोर्ड

भारत पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा का एंड्रयू बो पॉल	92	85	10	3
गिल का होप बो सील्स	01	6	0	0
कोहली बो सील्स	00	1	0	0
गायकवाड़ का कैपबेल बो सील्स	57	69	14	
लोकेश राहुल नाबाद	129	87	10	6
नमन धीर का एंड्रयू बो मोती	30	21	3	2
रेड्डी का होप बो पॉल	03	16	0	0
कंबोज रन आउट	17	9	0	2
बराड़ नाबाद	08	6	1	0

अतिरिक्त: 08, कुल योग: 50 ओवर में 351/7 रन
गेंदबाजी: जेडेन सील्स 10-0-62-3, मैथ्यू फोर्ड 6-0-26-0, अल्जारी जोसेफ 10-1-70-0, कीमो पॉल 9-0-71-2, गुडाकेश मोती 10-0-67-1, वाइटल लॉज 5-1-54-0.

वेस्टइंडीज पारी	रन	गेंद	4	6
कैपबेल बो सिराज	10	7	2	0
शाई होप नाबाद	162	143	17	3
जॉन रन आउट	67	56	5	1
रदरफोर्ड का राहुल बो धीर	24	25	2	0
पॉल का रेड्डी बो बराड़	44	35	5	0
मैथ्यू का धीर बो कुलदीप	07	12	1	0
मोती नाबाद	19	14	2	1

अतिरिक्त: 19 रन, कुल योग: 48. 2 ओवर में 352/5 रन
गेंदबाजी: मोहम्मद सिराज 8-0-52-1, अंशुल कंबोज 9-0-82-0, गुरनूर बराड़ 9.1-0-64-1, कुलदीप यादव 10-0-62-1, रेड्डी 6.5-0-50-0, नमन धीर 5.2-0-33-1

रोहित ने किया तेंदुलकर का रिकॉर्ड ध्वस्त

रोहित शर्मा ने अब वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सचिन का ये कीर्तिमान करीब 22 साल पुराना है। रोहित अब बतौर ओपनर वनडे में दस हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज भी बन गए हैं। बतौर ओपनर सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। उन्होंने साल 2004 में ब्रिस्बेन ने ऑस्ट्रेलिया दस हजार रन का आंकड़ा छुआ था। अब रोहित शर्मा ने उनसे 12 पारियां कम खेलकर ही 10,000 रन बना दिए हैं। रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए केवल 202 पारियां खेली हैं। रोहित के अलावा 10 हजार रन बनाने वाले बाकी बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर के अलावा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या हैं।



एशियन गेम्स

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं प्रणवी उर्स



एजेंसी ▶▶| नागोया

प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गई, जिन्होंने आखिरी दौर में थकान से उबरते हुए एक स्ट्रोक की बढत बरकरार रखकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की और टीम को भी रजत दिलाया। मैसूर की 23 वर्ष की प्रणवी ने तीसरे होल में ट्रिपल बोगी करने के बाद तीन बर्डी लगाए। आखिरी दौर में उन्होंने इवन पार 70 स्कोर किया और चार दिन में कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। चीन की यिन रूओनिंग ने रजत पदक जीता जबकि सिंगापुर की शैनोन टैन को कांस्य पदक मिला।

शुरुआत में काफी नर्वस थी : प्रणवी

प्रणवी ने जीत के बाद कहा,' मुझे कुछ उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनना पसंद है। लोग आगे भी जीतेंगे लेकिन पहली बार जीतने वाला पहला ही होता है।' प्रणवी ने कहा कि वह पूरी रात सो नहीं सकी थी और आखिरी दिन शुरुआत में काफी नर्वस थी।

गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

यह 1982 दिल्ली एशियाई खेलों के बाद गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उस समय गोल्फ में लक्ष्मण सिंह ने व्यक्तिगत पुरुष स्वर्ण जीता था जबकि अमित लूथरा और राजीव मोहता के साथ टीम वर्ग में भी पीला तमगा हासिल किया था।

टीम ने जीता रजत

प्रणवी, ओलंपियन अदिति अशोक (आखिरी दौर में 67) और दीक्षा डागर (आखिरी दौर में 77) की टीम ने रजत पदक जीता। भारत ने 14 अंडर 546 स्कोर किया। चीन ने 22 अंडर 538 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अदिति एक डबल बोगी और एक बोगी के बाद लगातार पांच बर्डी लगाकर संयुक्त 14वें स्थान पर रही जबकि दीक्षा संयुक्त 23वें स्थान पर रही।

कुश्ती में भारत की झोली में 6 पदक

अमन को स्वर्ण, अंतिम की चांदी

एजेंसी ▶▶| नागोया

अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में अपने कांस्य पदक को स्वर्ण में बदल दिया जबकि महाद्वीपीय खिताब जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनने की अंतिम पंघाल की कोशिश को जापान की मेई मियोका के हाथों हार के साथ निराशा का सामना करना पड़ा। मियोका ने शनिवार को यहां अंतिम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी, जिससे भारतीय पहलवान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने कुश्ती प्रतियोगिता में छह पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य) के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यह 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में शीर्ष स्थान से चूकने के बाद भारत के इस प्रतियोगिता में सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा।



अमन ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में उत्तर कोरिया के चोंग सोंग हान को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

ओसीए एथलीट समिति में राजेश्वरी शामिल

एजेंसी ▶▶| नागोया



पूर्व भारतीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी को दक्षिण एशिया के प्रतिनिधि के रूप में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति में शामिल किया गया। ओसीए एथलीट समिति में अन्य तीन क्षेत्रीय पदों के लिए एशियाई खेलों के दौरान चुनाव कराए गए। राजेश्वरी के नामांकन को पहले ही ओसीए के कार्यकारी बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी। पश्चिम एशिया (एक महिला खिलाड़ी), मध्य एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी), पूर्वी एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी) और दक्षिण पूर्व एशिया (एक महिला खिलाड़ी) से एक-एक प्रतिनिधि का चयन करने के लिए चुनाव कराए गए। पिछले एशियाई खेलों में 34 वर्षीय राजेश्वरी ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2024 में ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया था।

भारत ने ब्राजील को दी कड़ी टक्कर

कोलकाता। भारत ने शुरुआती 25 मिनट तक डटकर मुकाबला किया, लेकिन पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने शनिवार को खेले गए फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में मेहमान टीम को 4-0 की करारी जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच के स्तर का बड़ा अंतर बिलकुल साफ दिखा। 2026 विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद नए सिरे से टीम तैयार कर रहे कार्लो एंसेलोटी की 'नई लुक' वाली ब्राजील की टीम ने इस ऐतिहासिक मैत्री मुकाबले में ज्यादातर समय अपनी सहज गति से खेलते हुए मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और उसे बहुत ज्यादा तेजी दिखाने की जरूरत नहीं पड़ी। भारत को 51,402 दर्शकों की का समर्थन मिला लेकिन इसके बावजूद टीम शुरुआती 25 मिनट में मिले कुछ अच्छे मौकों को पर गोल नहीं कर सकी।



ब्राजील के लिए एस्तेवाओ ने 28वें मिनट, पेड्रो ने 42वें मिनट और सैमुअल लिनो ने 58वें और 90+5वें मिनट में गोल किए। ब्राजील अपनी पूरी ताकत से नहीं खेला लेकिन फिर भी मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। 44वीं रैंकिंग वाली पनामा के खिलाफ 1-1 की जुझारू बराबरी के बाद मैदान पर उतरी भारतीय टीम को इस बार कहीं अधिक मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद खालिद जमील के मार्गदर्शन वाली टीम ने ब्राजील को कड़ी टक्कर दी।

भारतीय डाक विभाग
कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर - 492009

WALK IN INTERVIEW

1. प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर द्वारा डाक जीवन बीमा / ग्रामीण डाक जीवन बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए ऊर्जावान एवं उत्साही एजेंट्स की नियुक्ति हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है । यह साक्षात्कार रायपुर, महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाज़ार, गरियाबंद एवं सराईपाली में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक उम्मीद्वार दिए गए दिनांक में निम्नलिखित में से किसी एक स्थान पर समय 12.00 बजे उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं-

क्र.	साक्षात्कार दिनांक	साक्षात्कार स्थल
1.	12.10.2026	कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर , प्रथम तल रायपुर, गंज उपडाकघर भवन, रायपुर, छ.ग. - 492009
2.	13.10.2026	कार्यालय उपसंभागीय निरीक्षक डाकघर उपसंभाग बलौदाबाज़ार, छ.ग.- 493332 (बलौदाबाज़ार उपडाकघर परिसर)
3.	14.10.2026	कार्यालय उपसंभागीय निरीक्षक डाकघर उपसंभाग महासमुंद-493445 (महासमुंद उपडाकघर परिसर)
4.	15.10.2026	कार्यालय उपसंभागीय निरीक्षक डाकघर उपसंभाग धमतरी - 493773 (धमतरी उपडाकघर परिसर)
5.	16.10.2026	कार्यालय उपसंभागीय निरीक्षक डाकघर उपसंभाग गरियाबंद-493889 (गरियाबंद उपडाकघर परिसर)
6.	17.10.2026	कार्यालय उपसंभागीय निरीक्षक डाकघर उपसंभाग सराईपाली-493558 (सराईपाली उपडाकघर परिसर)

2. इच्छुक उम्मीद्वार अपना बायोडाटा ,01 पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ, पैनकार्ड एवं आधार कार्ड की प्रतिलिपि, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाणपत्र यदि हो तो, के साथ उपस्थित होकर साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं।
3. पात्रता की शर्तें - (1) योग्यता - अभ्यर्थी को 10वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए । (2) आयु - 18 वर्ष या अधिक (3) श्रेणी - बेरोजगार / स्वरोज़गार यूथ, भूतपूर्व शासकीय सेवक, वेतन मैट्रिक्स में लेवल 8 तक का पद धारण करने वाला कोई भी सेवारत केंद्र सरकार या राज्य सरकार का कर्मचारी (डाक विभाग के कर्मचारी को छोड़कर), आंगन बाड़ी कार्यकर्ता,महिला मंडल कार्यकर्ता, सेवानिवृत शिक्षक, स्वसहायता समूह, ग्राम पंचायत के सदस्य या कोई भी योग्य व्यक्ति जो इस प्रकार की योग्यता रखता हो । (4) वांछित - बीमा उत्पाद को बेचने का अनुभव, कंप्यूटर का ज्ञान एवं स्थानीय क्षेत्र की जानकारी।

प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग, रायपुर-492009

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-सी.जी.-अ.-23092026-276409
CG-CG-E-23092026-276409
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II - Section 3- Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4923] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 17, 2026/भाद्र 26, 1948
No. 4923] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 17, 2026/BHADRA 26, 1948

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 17 सितम्बर, 2026
रेल अधिनियम 1989 की धारा 20क के अंतर्गत अधिसूचना

का.आ. 5114 (अ).- रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क की उपधारा (1) जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है, द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक उद्देश्य के लिऐ संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का जिसका संक्षिप्त वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो कि विशेष रेल परियोजना "खरसिया नया रायपुर- परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निष्पादन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बलौदा बाजार-भाटापारा में आवश्यक है, एतद्वारा अधिग्रहण करने के अपने आशय की घोषणा करती है ।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन, पूर्वोक्त प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के अर्जन एवं उपयोग के संबंध पर आक्षेप कर सकेगा ।

ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बलौदाबाजार, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, छत्तीसगढ़ को लिखित में किया जायेगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेगें तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से विधी व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, तो करने के पश्चात जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझें, आदेश द्वारा, आक्षेपों को या तो अनुज्ञात या अनअनुज्ञात कर सकेगा ।

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा, इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि या रेखांकन एवं अन्य ब्यौरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता है ।

अनुसूची

"खरसिया- नया रायपुर- परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि.मी.) परियोजना के निर्माण के लिए, बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के अंतर्गत, अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना सहित या उनके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण-

क्र. संख्या	तहसील	गांव का नाम	खसरा/प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1.	बलौदा बाजार	पौंसरी	108/3	0.2105
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	0.2105

[फा. सं.- डीसीई/सी/बीएसपी/5वीं एवं 6 वीं/केएचएस-पीएमएस/बलौदाबाजार/20क/]

मुदित भटनागर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

सीपीआर/10/434

बिजनेस साइट

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स को राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर। रायपुर के आभूषण व्यवसाय से जुड़े अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड (एटी ज्वेलर्स) को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की ओर से आयोजित आईआईजेए (इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी अवॉर्ड्स) में संस्थान को 'मोस्ट इमर्जिंग ज्वेलरी रिटेलर' श्रेणी में सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र में संस्थान के प्रदर्शन, ग्राहक विश्वास, डिजाइन और रिटेल उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रदान किया गया। आईबीजेए देश की प्रमुख बुलियन एवं ज्वेलरी संस्थाओं में शामिल है।

ग्राहकों का विश्वास हमारी पूंजी : बरड़िया : सम्मान मिलने पर संस्थान के चेयरमैन तिलोकचंद बरड़िया ने कहा कि यह उपलब्धि ग्राहकों के लंबे समय से मिले विश्वास और स्नेह का परिणाम है।



उन्होंने कहा कि संस्थान की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, शुद्धता और ग्राहक संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाती रही है। संस्था के डायरेक्टर नितिन बरड़िया ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान के कार्य और गुणवत्ता को मिली यह मान्यता गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को आधुनिक डिजाइन के साथ बेहतर सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में संस्थान लगातार प्रयासरत है। डायरेक्टर निकेश बरड़िया ने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम की मेहनत, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता मानकों का परिणाम है।

छत्तीसगढ़ में बैंकिंग के नए अवसर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कारोबार और बैंकिंग, दोनों तेजी से बदल रहे हैं। राज्य की मजबूत इंडस्ट्रियल और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ छोटे कारोबार, शहरों और डिजिटल बैंकिंग का भी लगातार विस्तार हो रहा है। एक्सिस बैंक ग्रुप ब्रांच हेड रेनॉल्ड डी'सूजा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोयला, स्टील, सीमेंट, आयरन ओर और पॉवर का बड़ी मात्रा में उत्पादन होता है। इसके साथ खेती, ग्रामीण कारोबार, ट्रेडिंग और ट्रांसपोर्ट भी तेजी से बढ़ रहे हैं। छोटे कारोबारों का फॉर्मल सिस्टम से जुड़ना और बेहतर कनेक्टिविटी बैंकिंग के लिए नए मौके बना रहे हैं। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में राज्य में कुल डिपॉजिट करीब 2.83 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो करीब 71% से बढ़कर लगभग 79% हो गया है, यानि तीन साल में करीब 8 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है।



एमएसएमई के लिए आसान क्रेडिट: छोटे कारोबार छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। राज्य में एमएसएमई एडवांसेज पिछले एक साल में करीब एक-तिहाई बढ़कर लगभग 53,000 करोड़ रुपए से करीब 70,000 रुपए करोड़ हो गए हैं।

शाखाओं और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार: एक्सिस बैंक का लक्ष्य छत्तीसगढ़ में बैंकिंग को आसान और सुविधाजनक बनाना है। बैंक मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉट्सऐप बैंकिंग, इंस्टेंट डिजिटल लोन और पेपरलेस ऑनबोर्डिंग पर काम कर रहा है। फिलहाल बैंक की राज्य के सभी जिलों में करीब 150 शाखाएँ हैं, जिनमें करीब 57 शाखाएँ रूरल अनबैंक्ड और रूरल लोकेशंस में हैं।



जापान में है 1000 साल पुरानी बुद्ध मूर्तियां, झरती है अनंत करुणा

टोक्यो। सम्राट अशोक के जमाने में भारत से गया बौद्ध धर्म आज जापान में खूब फल-फूल रहा है। यहां पर बौद्ध धर्म का प्रभाव इतना ज्यादा है कि पहाड़ों को काटकर बौद्ध मूर्तियां और प्रतिमाएं बनाई गई थीं। ऐसी ही कुछ मूर्तियां जापान के ओइता प्रांत में हैं, जहां हजारों सालों की हवा और बारिश झेलने के बाद भी उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियां आज भी शांति और साफ तौर पर करुणा का एहसास कराती हैं। मगर, एक समय उसुकी की एक मशहूर बौद्ध मूर्ति 'दैनिची न्योराई' का सिर खो गया था। जिसे अनुमानित रूप से 200 साल बाद काफी बहस के बाद वापस बुद्ध मूर्ति के धड़ पर लगाया गया।

ओइता प्रांत में चट्टानों पर उकेरीं 400 बौद्ध मूर्तियां

ओइता प्रांत में लगभग 400 'मगाइबुत्सु' हैं, जिनका मतलब है-चट्टानों पर उकेरी गई बौद्ध मूर्तियां। ये देश की कुल ऐसी मूर्तियों का लगभग 70% हिस्सा हैं। इतनी बड़ी संख्या में इन मूर्तियों के होने के पीछे ऐतिहासिक और भू-वैज्ञानिक कारण हैं। क्यूशू जो लंबे समय से महाद्वीपीय संस्कृति का प्रवेश द्वार रहा है, वहां बौद्ध धर्म का खूब विकास हुआ। साथ ही, 90,000 साल पहले हुए एक जबरदस्त ज्वालामुखी विस्फोट ने ऐसी चट्टानें बनाईं जो नक्काशी के लिए बिल्कुल सही थीं। ओइता प्रांत में लगभग 400 'मगाइबुत्सु' हैं, जिनका मतलब है-चट्टानों पर उकेरी गई बौद्ध मूर्तियां। ये देश की कुल ऐसी मूर्तियों का लगभग 70% हिस्सा हैं।



सबसे शानदार मूर्ति दैनिची न्योराई

इन मूर्तियों में सबसे शानदार मूर्ति 'फरुजोनो समूह' की 'दैनिची न्योराई' (महावैरोचन) मानी जाती है। चट्टान में बनी एक बड़ी जगह पर स्थित यह बैठी हुई मूर्ति, 13 बुद्धों की कतार के बीच में है। 2.8 मीटर ऊंची यह मूर्ति 'उसुकी स्टोन बुद्ध' मूर्तियों में सबसे बड़ी भी है। इसका चेहरा भरा हुआ और गरिमापूर्ण है, और रंग के हल्के निशान भौंहों और आंखों पर काला, रत्नों जड़े मुकुट पर सिंदूरी रंग यह बताते हैं कि यह मूर्ति कभी चमकीले रंगों से सजाई गई थी।

सदियों तक खुले आसमान के नीचे रहीं ये मूर्तियां

सदियों तक उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियां खुले आसमान के नीचे रहीं और कई मूर्तियों के सिर या हाथ टूटकर गिर गए। ईदो काल (1603–1868) के बीच में दैनिची न्योराई का सिर भी धड़ से अलग होकर नीचे बने चबूतरे पर गिर गया था। फोटोग्राफर डोमोन केन (1909–1990) ने अपनी मशहूर फोटो बुक 'अ पिलग्रिमेज टू एंशिएंट टेम्पल्स' में इस सिर-विहीन मूर्ति की तस्वीर ली। उन्होंने समय के साथ होने वाली प्राकृतिक टूट-फूट और मूर्ति की उस अटूट गरिमा को एक साथ दिखाया, जो लोगों में आज भी श्रद्धा जगाती है।

राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा दिलाने के लिए जोड़ा गया सिर

जब 1980 से 1993 के बीच उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत की गई, तो विशेषज्ञों के बीच इस बात पर जोरदार बहस हुई कि क्या सिर को वापस जोड़ा जाए या मूर्ति के इतिहास के हिस्से के तौर पर उसे उसी गिरी हुई हालत में रहने दिया जाए। आखिरकार, 'राष्ट्रीय धरोहर' का दर्जा पाने के लिए सिर को वापस जोड़ना जरूरी था, इसलिए मूर्ति को उसके मौजूदा रूप में बहाल किया गया। 980 से 1993 के बीच उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत की गई। आखिरकार, 'राष्ट्रीय धरोहर' का दर्जा पाने के लिए सिर को वापस जोड़ना जरूरी था, इसलिए मूर्ति को उसके मौजूदा रूप में बहाल किया गया।

300 रुपए का एक खीरा, 680 का टमाटर

नॉर्वे में ऑर्गेनिक नींबू की कीमत करीब 850 रुपए किलो

नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां की खूबसूरत जगहें और जीवनशैली लोगों को खूब पसंद आती है। इन्हीं जगहों में नॉर्वे शामिल है। अब यहां का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो खूबसूरती की वजह से नहीं, बल्कि सब्जी की कीमतों की वजह से वायरल हो रहा है। इसमें एक शख्स नॉर्वे के एक सुपरमार्केट में दिख रहा है, जो वहां हर दिन इस्तेमाल होने वाली सब्जियों के दाम दिखा रहा है। सब्जियों के दाम जानकर आपके कान खड़े हो जाएंगे। वीडियो में शख्स बता रहा है कि नॉर्वे में ऑर्गेनिक नींबू की कीमत करीब 850 रुपए किलो



है। 680 रुपये किलो लाल टमाटर मिल रहा है। 300 रुपये में सिर्फ एक खारी मिल रहा है। वीडियो में शख्स भारत और नार्वे में सब्जियों की कीमतों में अंतर को लेकर भी बात करता है। शख्स कहता है कि नार्वे के मुकाबले भारत में सब्जियां कई गुना सस्ती मिलती हैं।

किसानों की कमाई

कुछ लोगों का कहना है किसान की भी कमाई हो रही है। अगर बाजार में सब्जियां सस्ती मिल रही हैं, तो मतलब यह नहीं कि किसान को भी कम पैसे मिलें। किसान को मेहनत और लागत के हिसाब से सही दाम मिलना चाहिए। नार्वे के सब्जियों की कीमत वाला वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है।

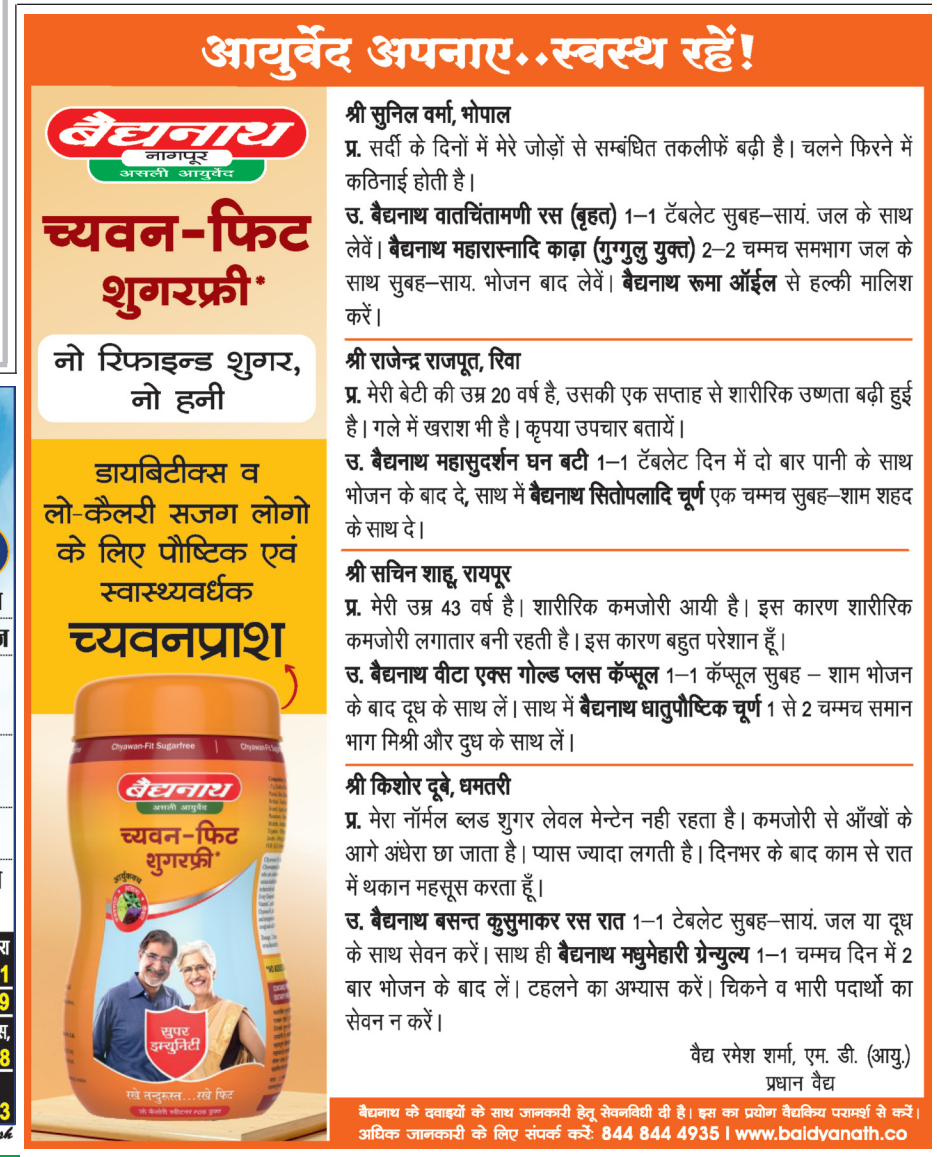

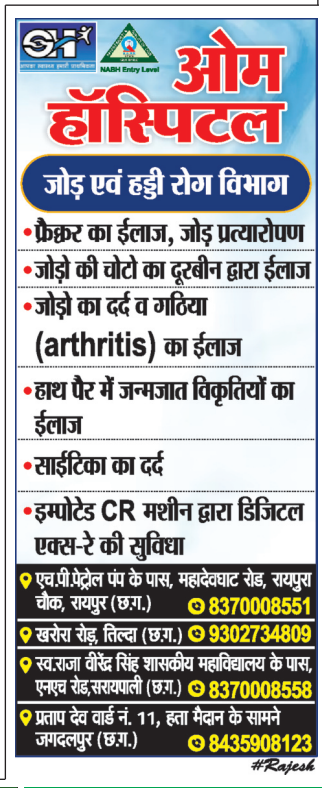



दुनिया का सबसे महंगा मसाला... कहा जाता है रेड गोल्ड

नई दिल्ली। दुनिया में कई तरह के लिए मसाले पाए जाते हैं, तो अपने अलग-अलग स्वाद के लिए जाने जाते हैं। लेकिन एक ऐसा मसाला है, जो अपनी कीमत के लिए पूरी दुनिया में मशहूर। इसके कारण इसे दुनिया का सबसे महंगा मसाला माना जाता है। मसाले के पौधे को भी दुनिया का सबसे महंगा पौधा माना जाता है। इस मसाले की खेती करने वाले प्रमुख देशों में भारत समेत फ्रांस, स्पेन, ईरान, इटली, ग्रीस, जर्मनी, जापान, रूस, ऑस्ट्रिया,



तुर्किस्तान, चीन, पाकिस्तान और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। भारत में इसकी खेती जम्मू के किश्तवाड़ और जन्नत-ए-कश्मीर के पामपुर (पंपोर) के सीमित क्षेत्रों में सबसे ज्यादा होती है। दुनिया के सबसे महंगे मसाले का नाम केसर है, जिसे अंग्रेजी में सैफ्रन कहा जाता है। बाजार में केसर की कीमत तीन लाख रुपये से साढ़े तीन लाख रुपये प्रति किलो के बीच है। केसर के महंगा होने के कारण इसके डेढ़ लाख फूलों से लगभग एक किलो सूखा केसर ही प्राप्त होता है। सोने की तरह महंगा होने के कारण केसर को रेड गोल्ड भी कहा जाता है। माना जाता है कि करीब 2300 साल पहले ग्रीस (यूनान) में सबसे पहले सिकंदर महान की सेना ने केसर की खेती की थी।











हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com